@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 16 दिसम्बर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 42 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नितिन नबीन ने बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार संभाला

शाह-नड्डा ने कुर्सी परबिठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में पार्टी मुख्यालय में पदभार संभाला। भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने बिहार के मंत्री नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार संभालने पर कहा, 'नितिन नवीन को अभिनंदन। वे एक विनम्र और समर्पित कार्यकर्ता हैं। वे 5 बार विधायक रह चुके हैं... आज उन्होंने अपने काम से जो जगह बनाई है, उसी कारण पार्टी ने कार्यकर्ता को सम्मान दिया है और यह केवल भाजपा में हो सकता है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर कहा, '...उन्हें संगठन का भी अनुभव है, सरकार का भी अनुभव है और वे बहुत सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं लेकिन वे परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले सबसे युवा नेता हैं। साथ ही, वह देश की मुख्य राजनीतिक पार्टियों में से भी सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष बन गए हैं। नितिन नबीन की आयु 45 साल है, और वह पांच बार विधायक रह चुके हैं। बिहार सरकार में वह कई बार मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने सरकार में मिली जिम्मेदारी के साथ ही संगठन के दायित्वों का भी निर्वहन सफलतापूर्वक किया है। अब जब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है, तो वह इस पद को ग्रहण करने वाले सबसे युवा नेता बन गए हैं। इसके साथ ही उनके भविष्य में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने की भी चर्चा जोरों पर है। भाजपा में ऐसा पहले भी हो चुका है। 2019 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष रहते हुए जेपी नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। फिर वह राष्ट्रीय अध्यक्ष बने।

सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआई के हलफनामे पर कड़ी टिप्पणी की

● हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है?

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से दायर हलफनामे पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि हलफनामे में ठेकेदारों और स्थानीय अधिकारियों पर कीचड़ उछालने का प्रयास किया गया है। सड़क हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है? सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि वह जानना चाहता है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की शक्तियां क्या हैं और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से सवाल किया कि इस मामले का सही उपाय क्या हो सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं भविष्य में न दोहराई जाएं और सर्दियों में कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने कहा कि हाईवे पर भारी अतिक्रमण है, खासकर जब वे शहरों और कस्बों से गुजरते हैं। कई हाईवे का इस्तेमाल

शहर की सड़कों के तौर पर भी किया जाता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पास गति सीमा और सुरक्षा संबंधित नियम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजमार्गों पर ढाबे अवैध हैं और उन्हें हटाना एनएचएआई के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन इसका कार्यान्वयन स्थानीय जिला मजिस्ट्रेट और नगर निगमों पर निर्भर है। इस वजह से भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि शहरों से होकर गुजरने वाले राजमार्गों पर भारी अतिक्रमण होता है तो एनएचएआई को इसके समाधान के लिए गंभीर कदम उठाने चाहिए। कोर्ट ने यह भी पूछा कि एनएचएआई की ओर से बनाए गए नियमों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा और किसकी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही बेंच ने यह सुझाव दिया कि एक एडवोकेट कमिश्नर को इस क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए भेजा जाए और वहां की स्थिति का वीडियो तैयार किया जाए।

शशि थरूर कांग्रेस के कार्यक्रमों से नदारद, दिल्ली रैली में शामिल न होने पर बोले- मेरी तरफ से सब ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर लगातार पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे हैं। इसके बाद दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित पार्टी की विशाल रैली में शशि थरूर कहीं नजर आए। कांग्रेस ने एसआईआर और 'वोट चोरी' के मुद्दे के खिलाफ एकजुट होकर रैली की, जिसमें शीर्ष नेतृत्व के साथ अधिकतर नेता मंच पर एक साथ नजर आए, लेकिन शशि थरूर उस मंच से गायब थे। इसके बाद एक बार फिर राजनीतिक हलको में थरूर को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई। हालांकि अब इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद की सफाई सामने आई है। रविवार को रामलीला मैदान में 'वोट चोरी' के खिलाफ पार्टी की रैली में शामिल ना होने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं कल विदेश में था। यह एक प्रतिबद्धता थी, जो मैंने छह महीने पहले किया था।' इसी के साथ उन्होंने साफ कहा कि मेरी तरफ से सब ठीक है।

मनरेगा का नाम बदलने पर प्रियंका का सवाल क्यों हटा रहे गांधी जी का नाम?

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सरकार को स्न्नह–ऋश्वन्न का नाम बदलने से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति तक पर घेरा है। केरल से निर्वाचित पार्टी सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार से तीखे सवाल पूछे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर मनरेगा का नाम बदलने संबंधी विधेयक पारित कराते समय सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। सरकार का तर्क है कि यह बदलाव विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के तहत है। मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय को लेकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने के पीछे सरकार की नीयत क्या है? तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। मनरेगा के अलावा कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपाय– त्न्नक्र को लेकर सरकार का घेराव किया है। प्रियंका ने संसद परिसर में पत्रकारों के एक सवाल पर कहा, जब भी किसी योजना का नाम बदला जाता है, तो कार्यालयों, स्टेशनरी आदि में बड़े पैमाने पर बदलाव करने पड़ते हैं। ऐसी गतिविधियों पर सरकार का बहुत पैसे खर्च करती है। उन्होंने सवाल किया कि नाम बदलने का फायदा क्या है? यह सब क्यों किया जा रहा है? महात्मा गांधी का नाम क्यों

हटाया जा रहा है? कांग्रेस सांसद प्रियंका ने कहा, महात्मा गांधी को न केवल देश में बल्कि विश्व में सबसे महान नेता माना जाता है; इसलिए उनका नाम हटाने के पीछे का उद्देश्य मेरी समझ से परे है। उनका इरादा क्या है? केरल की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान समय के सदुपयोग का जिक्र करते हुए कहा, जब हम बहस करते हैं, तब भी वह अन्य मुद्दों पर होती है, न कि जनता के वास्तविक मुद्दों पर। समय बर्बाद हो रहा है, पैसा बर्बाद हो रहा है, वे खुद को ही परेशान कर रहे हैं। ग्रामीण रोजगार के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना– मनरेगा पर एक अन्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। तृणमूल के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सरकार का यह कदम महात्मा गांधी का अपमान है। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे की पूजा की थी। वे महात्मा गांधी का अपमान करना चाहते हैं और उन्हें इतिहास से मिटा देना चाहते हैं। सीपीआईएम महासचिव एमए बेबी ने इसे तथ्य को छिपाने का प्रयास बताया। उन्होंने दावा किया, मनरेगा के पूर्ण पुनर्गठन को लेकर केंद्र सरकार दिखावा कर रही है। तथ्य को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस बुनियादी अधिकार–आधारित ढांचे के तहत मनरेगा की योजना संचालित होती थी, उसे खत्म किया जा रहा है। केंद्र सरकार फंड में भी कटौती कर रही है। जिम्मेदारी राज्यों पर डाली जा रही है। केंद्र अब विपक्षी दलों की सरकारों वाले राज्यों को मिलने वाले फंड में कटौती कर उन्हें दंडित कर सकता है। बेबी ने दावा किया कि इससे ग्रामीण संकट और बढ़ जाएगा।

लूथरा बंधुओं को कल लाया जाएगा भारत, एयरपोर्ट पर उतरते ही पुलिस लेगी हिरासत में

नई दिल्ली। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद देश छोड़कर फरार हुए लुथरा बंधुओं को मंगलवार को थाईलैंड से दिल्ली लाया जाएगा। गोवा पुलिस और दिल्ली पुलिस की टीमें दिल्ली एयरपोर्ट पर मौजूद रहेंगी। उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया जाएगा, जहां से गोवा पुलिस उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लेगी। बता दें कि 6 दिसंबर की रात बर्च बाय रोमियो लेन नाम के इस नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। इस क्लब के मालिक गौरव और सौरभ लुथरा हैं। अधिकारियों ने साफ किया कि गोवा पुलिस थाईलैंड नहीं जा रही है, बल्कि दिल्ली में ही केंद्रीय एजेंसियों से लुथरा बंधुओं की कस्टडी ली जाएगी। इसके लिए गोवा पुलिस की एक टीम सोमवार देर रात दिल्ली पहुंचेगी। कस्टडी मिलने के बाद सौरभ लुथरा और गौरव लुथरा को मंगलवार देर रात गोवा लेकर जा सकते हैं। इसके बाद उन्हें अंजुना पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा, जहां उनसे आगे पूछताछ होगी। बुधवार को लुथरा बंधुओं को गोवा पुलिस मापुसा अदालत में पेश कर सकती है। थाईलैंड से लुथरा बंधुओं के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने थाई पक्ष को सभी जरूरी दस्तावेज सौंप दिए हैं। इसमें पासपोर्ट रद्द होने के बाद जारी किए गए आपातकालीन प्रमाण पत्र भी शामिल हैं। ज्यादातर कानूनी अड़चनें दूर हो चुकी हैं। थाई इमिग्रेशन अधिकारी भारतीय एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। अब मामला बैंकॉक की एक स्थानीय अदालत में अंतिम कानूनी समीक्षा के लिए रखा जाएगा, जो थाई कानून के तहत निर्वासन से पहले जरूरी प्रक्रिया है। थाई पुलिस ने भारत के अनुरोध पर फुकेट के एक रिसॉर्ट से दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था।

जिस मशीन से चार बार जीती, उस पर शक नहीं: सुप्रिया सुले

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठाने वाले विपक्षी दलों के रुख से हटकर उस पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को दोष नहीं देंगी, क्योंकि वह उन्हीं मशीनों के माध्यम से चार बार संसद के लिए चुनी गई हैं। सुप्रिया सुले एनसीपी–एसपी महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसमें कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जैसे दल भी शामिल हैं, जो अक्सर चुनाव प्रक्रिया में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया करते रहे हैं। बारामती निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली चार बार की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर हुई बहस के दौरान अपनी यह बात रखी। उन्होंने साफ तौर पर कहा, मैं उसी मशीन से चुनी गई हूं, इसलिए मैं इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर सवाल नहीं उठाऊंगी। उन्होंने आगे कहा, मैं मशीन के खिलाफ नहीं बोल रही हूं। मैं बहुत सीमित बात कह रही हूं, और भारतीय जनता पार्टी से बहुत उम्मीदें हैं, जिसे महाराष्ट्र में इतना बड़ा जनादेश मिला है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के विरोध में हो रही बहस के बीच सुले का यह बयान काफी मायने रखता है। सुप्रिया सुले के सीधे तौर पर मशीन की विश्वसनीयता पर संदेह करने से इनकार करने की बात सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में एक नई चर्चा छेड़ दी है।

शशि थरूर कांग्रेस के कार्यक्रमों से नदारद

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर लगातार पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे हैं। पहले राहुल गांधी और सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली बैठक से थरूर नदारद रहे। इसके बाद रविवार (14 दिसंबर) को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित पार्टी की विशाल रैली में शशि थरूर कहीं नजर आए। कांग्रेस ने एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे के खिलाफ एकजुट होकर रैली की, जिसमें शीर्ष नेतृत्व के साथ अधिकतर नेता मंच पर एक साथ नजर आए, लेकिन शशि थरूर उस मंच से गायब थे। इसके बाद एक बार फिर राजनीतिक हलको में थरूर को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई। हालांकि अब इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद की सफाई सामने आई है। रविवार को रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ पार्टी की रैली में शामिल ना होने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मैं कल विदेश में था। यह एक प्रतिबद्धता थी, जो मैंने छह महीने पहले किया था। इसी के साथ उन्होंने साफ कहा कि मेरी तरफ से सब ठीक है। वहीं केरल में हालिया संपन्न हुए स्थानीय निकाय चुनाव पर शशि थरूर ने कहा, वे (बीजेपी) तिरुवनंतपुरम में जीत गए हैं। लेकिन बाकी सभी जगहों पर यूडीएफ और कांग्रेस पार्टी गठबंधन को बहुत अच्छे नतीजे मिले हैं।

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने स्न्नहऋश्व–न्न का नाम बदले जाने पर कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि महात्मा गांधी का ग्रामीण गरीबों के बारे में बहुत साफ विजन था, जिनकी वे परवाह करते थे। उन्होंने सबसे गरीब इंसान की आंखों से आंसू पोंछने की बात की थी। पिछले 20 साल से हर कोई इस स्कीम को अलग–अलग भारतीय भाषाओं में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के नाम से जानता है। अब इसे क्यों बदलना है? आप योजना की शर्तें बदल सकते हैं। यह सरकार का अधिकार है, लेकिन नाम बदलना गैर–जरूरी है। शशि थरूर ने इससे पहले एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सरकार के प्रस्तावित नए G-RAM-G बिल में MGNREGA का नाम बदलने पर विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। ग्राम स्वराज की अवधारणा और राम राज्य का आदर्श कभी एक–दूसरे के विरोधी नहीं थे; वे गांधीजी की सोच के दो स्तंभ थे। ग्रामीण गरीबों के लिए एक योजना में महात्मा का नाम हटाना इस गहरे जुड़ाव को नजरअंदाज करता है। उनकी आखिरी सांस राम के नाम पर थी; आइए, हम ऐसी जगह बंटवारा करके उनकी विरासत का अपमान न करें, जहां कोई बंटवारा था ही नहीं।

अपना केवाईसी अपडेट रखें

ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,

तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,

तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ

आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में हलचल

– प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से मिली हवा

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची है। दरअसल सियासी गलियारों में यह मुलाकात प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से हवा दे रही है। मालूम हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के असफल प्रदर्शन के बाद चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) की रणनीति पर काफी सवाल उठे। चुनावों के तुरंत बाद पीके ने इस करारी हार की जिम्मेदारी ली और फिर से कोशिश में जुटने का वादा किया था। इसके बाद से उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर से वे सुर्खियों में आ गए हैं। पीके ने कल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। ख़ास बात ये है कि दिल्ली में हुई यह मुलाकात तीन साल के गहरे राजनीतिक दूरी के बाद हुई है, जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पुराना संवाद रुका हुआ था। अब इस मुलाकात के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होकर एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाना चाहते हैं या यह सिर्फ सियासी बातचीत का हिस्सा है। हालांकि इस बैठक का समय और तरीका दोनों ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसमें दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक हालात और भविष्य की संभावनाओं पर बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक तालमेल या गठबंधन कर सकते हैं? खासकर तब, जब हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं कांग्रेस की स्थिति भी बेहद कमजोर रही और पार्टी सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद दोनों ही पक्ष नए सिरे से रणनीति तलाश रहे हैं। ऐसे में पीके और प्रियंका गांधी की यह मुलाकात महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक योजना का संकेत भी हो सकती है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस को लेकर अटकलें तेज हुई हों। दरअसल, प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच संबंध इस बैठक से ही शुरू नहीं हुए हैं। लगभग 4 साल पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उस समय प्रशांत किशोर ने खुद खुलासा किया था कि सोनिया गांधी ने उन्हें पार्टी के लिए एक प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया था कि करीब 9 घंटे तक उन्होंने अपना विजन और रणनीति पेश की थी, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे और अधिकांश सुझावों से सहमत थे। हालांकि पीके ने कांग्रेस में शामिल न होने की वजह भी स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व उनके प्लान को जमीन पर उतारने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पीके का यह भी कहना था कि उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, इसलिए वे किसी एक व्यक्ति या विचारधारा से बंधकर राजनीति नहीं करना चाहते। अब एक बार फिर पीके और प्रियंका गांधी की मुलाकात ने पुराने सवालों को जिंदा कर दिया है। क्या यह

बातचीत सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित थी या आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई नया समीकरण देखने को मिलेगा, इस पर सभी की नजर टिकी हुई है। प्रशांत किशोर की बात करें तो उनका राजनीतिक सफर अक्सर बदलावों और नई दिशाओं को अपनाने वाला रहा है- जिसका श्रेय उन्हें रणनीतिक सोच और जन संपर्क क्षमता के रूप में दिया जाता है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति में एक जाने-माने चुनावी रणनीतिकार हैं, जिन्होंने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की है।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू परिवार की सुनवाई फिर टली

–अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की 19 दिसंबर तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से कोर्ट यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन–कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक टाल दी थी। उस समय कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं 8 दिसंबर को कोर्ट ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई ने दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन–देन नकद में हुए जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद हैं। सीबीआई ने इस मामले में आरोप तय करने की मांग की है।

विदेश यात्रा पर लंदन गए राहुल गांधी.... वहां से जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 3-20 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर रहने वाले है। वहां वे जर्मन सरकार के अफसरों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करने वाले है। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह 5वां विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील, कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी के नेताओं से मुलाकात करने वाले है। आईओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। इस दौरान यूरोप में आईओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेगी।

पराली जलाते समय बुजुर्ग किसान की झुलसकर मौत

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में धान की पराली जलाते समय 60 वर्षीय किसान की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गजेंद्र स्वैन के रूप में हुई, जो सुनामुहीन गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि उसका जला हुआ शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि आग पास के एक खेत में फैल गई, जहां से धान की कटाई अभी बाकी थी। पुलिस ने बताया कि स्वैन (जो अकेला था) ने आग को काबू करने की कोशिश की, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। अधिकारी ने कहा, फ्रउसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव लगभग 90 प्रतिशत जल गया था।

पूर्वी दिल्ली के मंदिर में महिला की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में एक मंदिर के अंदर हुई 48 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी मच गई है। मानसरोवर पार्क इलाके में डीडीए फ्लैट परिसर में स्थित एक मंदिर के अंदर, रविवार को दोपहर करीब 12 बजे हुई। पीड़िता कुसुम शर्मा (48), मानसरोवर पार्क निवासी। महिला मंदिर में पूजा कर रही थी, तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। पीड़िता के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चाकू के कई घाव थे। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के बाद दिन में ही मुख्य आरोपी आंचल सक्सेना नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती सूचना में बताया गया था कि दो लोगों ने महिला पुजारी पर हमला किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हिरासत में ली गई महिला सहित दो लोगों ने शर्मा पर बार–बार चाकू से हमला किया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पुरानी दुश्मनी का मामला प्रतीत होता है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हमलावरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की करानी पड़ी आपात लैंडिंग

आगरा (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण 61 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे की चादर छाने के कारण कम दृश्यता के चलते 61 उड़ानें रद्द हुई, जबकि 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह 7-05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली करीब पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी का अंतिम चरण के लिए दिल्ली आगमन विलंबित हो गया है, क्योंकि घने कोहरे के कारण मुंबई से उनकी उड़ान स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले, दिल्ली हवाई अड्डे ने सोमवार, 15 दिसंबर की सुबह यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की थी, जिसमें उड़ान संचालन में व्यवधान की चेतावनी दी गई थी। ताजा अपडेट के लिए, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि दिल्ली में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर असर पड़ेगा। हम मौसम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और सुगम तरीके से आपके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

6.26 करोड़ मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 6.26 करोड़ रुपए मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आरोपियों की योजना लाल चंदन का अवैध रूप से निर्यात करने की थी। मंत्रालय ने बताया कि लाल चंदन की लकड़ियां विभिन्न गोदामों से जब्त की गईं और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। विदेशी व्यापार नीति के तहत लाल चंदन के निर्यात पर बैन लगा है।

नितिन नबीन की नियुक्ति पर कांग्रेस का तंज... रिमोट कंट्रोल शाह के हाथ में रहेगा

नई दिली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर तंज कस कंस दिया हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया है कि यह नियुक्ति केवल सांकेतिक है, और पार्टी की असली बागडोर (रिमोट कंट्रोल) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही रहेगी। कार्यकारी अध्यक्ष का पदनाम भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है। इसका अर्थ है कि गैर-कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं। यह नियुक्ति बिना चुनाव के की गई है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने आरोप लगाया कि पहले भी ऐसा ही होता आया है, जब नड्डा (पूर्व अध्यक्ष) घूमते-फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन ने सोमवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय भूमिका

का श्रेय बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को स्वीकार किया। दिल्ली रवाना होने से पहले, नबीन ने पटना के महावीर मंदिर का दौरा किया और अपने पिता, दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नबीन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सीखने, काम करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कैश कांड मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा को जवाब के लिए 6 हफ्ते का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। कैश कांड की जांच के लिए गठित संसदीय समिति ने उन्हें 6 सप्ताह का और समय देने का फैसला किया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। माना जा रहा है कि जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 12 अगस्त को इस जांच समिति का गठन किया था। जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के समर्थन में लाए गए प्रस्ताव पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके समानांतर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भी एक अलग समिति गठित की गई थी। दोनों ही समितियों ने जस्टिस वर्मा के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बदनाम करने के इरादे से नकदी रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। समिति ने जस्टिस वर्मा से उन पर लगे आरोपों को लेकर लिखित जवाब मांगा था। 5 दिसंबर को हुई कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा ने समिति से 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, लेकिन समिति ने विचार-विमर्श के बाद उन्हें केवल 6 सप्ताह का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया।

जांच समिति ने आरोपों के समर्थन में सबूतों के साथ मेमो ऑफ चार्जेस भी दाखिल किया है। इसमें दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च की रात आग बुझाने के दौरान बनाए गए वीडियो, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इन सबूतों के आधार पर समिति ने आरोपों को गंभीर माना है। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित समिति की कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा को अपना पक्ष रखने, आरोपों पर सफाई देने और अपने पक्ष में गवाह पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। हालांकि सदन की समिति पहले ही जस्टिस वर्मा की इस दलील को अस्वीकार कर चुकी है कि कैश उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से रखा गया था। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और विशेषज्ञों के सबूत यह साबित करते हैं कि नई दिल्ली स्थित 30 तुगलक क्रीसेंट के स्टोररूम में नकदी मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को केंद्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है। पैनल ने यह भी दर्ज किया कि 15 मार्च की सुबह जले हुए 500 रुपये के नोटों की गड्डियों को 'भरोसेमंद नौकरों' की मदद से साफ किया गया था और यह पूरी प्रक्रिया जस्टिस वर्मा के निजी सचिव की मौजूदगी में हुई। लोकसभा द्वारा गठित समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। वहीं, 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अनु शिवरमन को शामिल किया गया था।

विधायक ने कहा- प्रियंका गांधी को सौंपें लीडरशिप, कांग्रेस ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके उस पत्र के बाद हुई है जिसमें उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए थे। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र पर टिप्पणी की थी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख नेतृत्व भूमिका देने की मांग की थी। ओडिशा प्रदेश इकाई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुकीम को पार्टी से निकालने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुकीम बाराबती-कटक से पूर्व विधायक हैं और खुद को कांग्रेस का आजीवन समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं। उनकी बेटी वर्तमान में विधायक हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में मुकीम ने कहा कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और नए नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने खरगे की 83 वर्ष की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की प्रमुख पार्टी के नेता के रूप में आवश्यक मेहनत, दौड़-भाग और लोगों से जुड़ाव संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि खरगे सलाहकार की भूमिका निभाएं और किसी युवा नेता को आगे लाएं। मुकीम ने प्रियंका गांधी सहित अन्य

युवा नेताओं की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय नेतृत्व चाहिए। यह अपील उन्होंने कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में सोनिया गांधी से की।

मुकीम के पत्र में पार्टी नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पर कड़ी चिंता जताई गई थी। उन्होंने दावा किया कि खुद तीन वर्षों से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। पत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे युवा नेताओं के पार्टी छोड़ने का उदाहरण दिया गया, जिन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। मुकीम ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को केंद्रीय और सक्रिय भूमिका संभालनी चाहिए तथा सचिन पायलट, डी.के. शिवकुमार, ए. रेवंत रेड्डी और शशि थरूर जैसे नेताओं को मुख्य नेतृत्व टीम का आधार बनना चाहिए।

उन्होंने पार्टी की स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया कि उसकी मौजूदगी भौगोलिक, संगठनात्मक और भावनात्मक स्तर पर सिमटती जा रही है। समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए यह निराशाजनक और दिल तोड़ने वाली है। मुकीम ने बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव परिणामों को केवल हार नहीं, बल्कि गहरे संगठनात्मक अलगाव का संकेत बताया। इन चुनावों में पार्टी को भारी अंतर से पराजय मिली थी। उन्होंने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने की बात दोहराई और कहा कि विधायक रहते हुए भी वे राहुल गांधी से नहीं मिल पाए। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में मुकीम ने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं, बल्कि पूरे देश के कार्यकर्ताओं द्वारा महसूस किए जा रहे भावनात्मक अलगाव का संकेत है। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए गहन संरचनात्मक, संगठनात्मक और वैचारिक नवीनीकरण की जरूरत पर जोर दिया। यह घटना पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करती है और नेतृत्व परिवर्तन की मांग को बल देती है। मुकीम की यह अपील पार्टी के भविष्य और युवा नेतृत्व की भूमिका पर व्यापक बहस छेड़ सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरा बना काल... अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत

–मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल है।

सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बना। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के

रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर करीब 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं। कुछ स्थानों पर ट्रक पलटने की भी सूचना है, जिससे यातायात काफी देर तक बाधित रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक उथल-पुथल: कई देशों में जनता ने तख्ता पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल दुनिया के कई देशों के लिए राजनीतिक उतार-चढ़ाव और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। साल के अंत तक कई देशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। कुछ देशों में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी, जबकि अन्य जगहों पर गंभीर संकट और विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में बदलाव हुआ। इस साल वैश्विक राजनीति में कई बार तनावपूर्ण हालात बने, और कुछ देशों में चुनाव के बाद हिंसा भी भड़की। आइए जानते हैं कि 2025 में किन देशों में चुनाव हुए और उनके नतीजों के बाद क्या परिस्थितियां बनीं। तंजानिया में 20 अक्टूबर को आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें सामिया सुलुह हसन ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला। हालांकि, चुनाव के बाद हिंसा भड़की, जिसमें करीब 700 लोगों की मौत की खबरें आईं। कैमरून में 12 अक्टूबर को चुनाव हुआ, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति पॉल बिया फिर से सत्ता में लौटे।

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव संपन्न हुआ। इसमें मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की, और वह फिर से प्रधानमंत्री बने। यह स्थिति उस समय बनी जब जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में 3 मई को चुनाव हुआ, जिसमें लेबर पार्टी ने जीत हासिल की और एंथनी अल्बनीज फिर से प्रधानमंत्री बने। जर्मनी में 23 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) ने 20.8 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की। बेलारूस में 26 जनवरी को हुए चुनाव में अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की। उन्हें 86.8 फीसदी वोट मिले, हालांकि चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

मिस्र में चुनाव दो चरणों में हुए; पहला चरण 10-11 नवंबर और दूसरा 24-25 नवंबर को संपन्न हुआ, लेकिन अभी तक नतीजा घोषित नहीं हुआ है। फिलिपींस में 12 मई को मिडटर्म चुनाव संपन्न हुए, जबकि देश का आम चुनाव 2028 में होगा। अर्जेंटीना में इस साल मिडटर्म चुनाव हुए, जिसमें राष्ट्रपति जाविएर मिलेई की पार्टी ला लिबरटेड अवांजा (एलएलए) ने बड़ी जीत दर्ज की। जापान के निचले सदन में जुलाई में चुनाव हुआ, जिसमें सत्ताधारी पार्टी एलडीपी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शिगेरु इशीबा ने अपने पद से इस्तीफा दिया और एलडीपी से साने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना गया।

नेपाल में जेन जेड के हिंसक प्रदर्शन के बाद केपी ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार ने जिम्मेदारी संभाली। यहां अगले साल मार्च में आम चुनाव आयोजित होने की संभावना है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में संपन्न हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ कयास लगाए गए थे कि 2025 में आम चुनाव हो सकता है, लेकिन यहां आम चुनाव फरवरी 2026 में निर्धारित है। साल 2025 ने साबित किया कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन अभी भी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में होता है। चुनाव के नतीजे कभी शांतिपूर्ण

बदलाव लाते हैं, तो कभी हिंसा और प्रदर्शन को जन्म देते हैं। इस साल के घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति में निरंतर बदलते परिदृश्य और जनता की सक्रिय भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया।

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलीथिन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलीथिन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका इस्तेमाल न करने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पॉलीथिन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फ्ल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथिन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने थोड़ेसे लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर आमजन की जिंदगी से न खेले।

नसबंदी-टीकाकरण के साथ अब लगेगी माइक्रोचिप

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में लावारिस कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके कारण आम लोगों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया सख्ती का सीधा असर एमसीडी के बजट में दिखा। एमसीडी आयुक्त की ओर से शुक्रवार को स्थायी समिति के समक्ष पेश किए बजट प्रस्ताव में स्पष्ट किया कि कुत्तों की संख्या नियंत्रण, नसबंदी और टीकाकरण पर फोकस होगा। इसी क्रम में शहर में पहली बार लावारिस कुत्तों में माइक्रोचिप लगाने की बड़ी पहल का ऐलान भी किया है। एमसीडी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने हाल के महीनों में कुत्तों के बढ़ते झुंड, कुत्तों के काटने की घटनाओं और नागरिकों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए कड़े निर्देश दिए हैं। एमसीडी ने अपने बजट में नसबंदी और टीकाकरण के लिए पिछले साल जितनी ही राशि बनाए रखी है, जिससे अभियान में निरंतरता बनी रहे। इसके लिए अगले वित्तीय वर्ष में 20 करोड़ रुपये का नया प्रावधान है, जबकि वर्तमान वर्ष में पांच करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है ताकि पायलट प्रोजेक्ट तुरंत शुरू किया जा सके। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, यह माइक्रोचिप हर नसबंद किए गए कुत्ते में लगाई जाएगी। इसमें एक विशेष आईडी नंबर होगा, जिससे कुत्ते की लोकेशन, टीकाकरण की स्थिति, स्वास्थ्य

डेटा और दुबारा पकड़े जाने की आवश्यकता जैसी जानकारी मोबाइल या कंप्यूटर सिस्टम पर उपलब्ध हो सकेगी। एमसीडी का शुक्रवार को वर्ष 2026-27 के लिए 16,530 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव पेश किया गया जबकि देनदारी करीब 15,791 करोड़ रुपये है। एक तरह से देनदारी और बजट लगभग बराबर है। ऐसे में एमसीडी की वित्तीय सेहत पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बजट भाषण में भी इसे विशेष रूप से रेखांकित किया गया। पहली बार एमसीडी ने देनदारी को साफ तौर पर प्राथमिकता की तरह पेश किया है। एमसीडी के अनुसार, उसे स्थापना देय के तौर पर 7009.67 करोड़ रुपये, ठेकेदारों का भुगतान 520.06 करोड़ रुपये और लोन के तौर पर 8262.06 करोड़ रुपये देने है। एमसीडी ने वर्तमान वर्ष के दौरान 331 करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया है और आगामी वर्ष के दौरान 667 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया है। इसके बाद भी उसकी देनदारी साढ़े 14 हजार करोड़ रुपये अधिक रह जाएगी। इस तरह एमसीडी को देनदारी खत्म करने के लिए अपनी आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। क्योंकि इस रफ्तार से तो उसका कर्ज खत्म होने में कई वर्ष लग जाएंगे। बताया जा रहा है कि उसके ऊपर सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों का आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। दरअसल प्रतिमाह करीब दो सौ कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे, मगर एमसीडी उनकी सेवानिवृति की राशि नहीं दे पा रही है। इस कारण उस पर लगातार कर्ज बढ़ रहा है।

जहरीली हवा से अस्पतालों में आंख के 60 फीसदी मरीज बढ़े

दिल्ली। जहरीली हवा ने सबसे अधिक आंखों पर प्रभाव डाला है। दिल्ली के अस्पतालों में करीब 60 फीसदी आंखों के मरीज बढ़े हैं। ओपीडी में आने वाले अधिकतर मरीजों में एलर्जी, सूखापन, तेज जलन और आंखों से लगातार पानी आने की शिकायतें मिली हैं। यह परेशानियां बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और बाहर काम करने वालों को सबसे ज्यादा सता रही हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि अगर समय रहते सावधानी नहीं बरती गई तो ये छोटी-छोटी दिक्कतें आंखों की गंभीर बीमारियों में बदल सकती हैं। दिल्ली आई सेंटर के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हरबंश लाल ने बताया कि दीपावली के बाद ये समस्या हर साल बढ़ती है, लेकिन इस बार हालात चिंताजनक हैं। सेंटर में आंखों की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या में 50-60 फीसदी उछाल आया है। एम्स के आरपी सेंटर फॉर नेत्र रोगों के प्रोफेसर डॉ. राजेश सिन्हा ने भी इसे खतरे की घंटी बताई। उन्होंने बताया कि पिछले 72 घंटों में हमारे पास आंखों में सूखापन, चुभन और पानी आने के केस 50 फीसदी बढ़े हैं। हवा के छोटे कण आंखों की सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे सूजन हो जाती है। अगर ये लंबे समय तक चला तो संक्रमण, कॉर्निया की क्षति या अस्थायी धुंधली दृष्टि जैसी जटिलताएं हो सकती हैं। प्रदूषण का सबसे बुरा असर उन पर पड़ रहा है, जो घंटों बाहर रहते हैं। ट्रैफिक पुलिसकर्मी, डिलीवरी बॉय, निर्माण मजदूर और स्ट्रीट वेंडर जैसे लोग लगातार जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। स्कूलों में छुट्टियां होने के बावजूद, पार्कों या खेलने जाते बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, बुजुर्गों में आंसू ग्रंथियां कमजोर होती हैं, जिससे सूखापन और जलन दोगुनी हो जाती है। डॉ. लाल ने बताया कि कॉन्टैक्ट लेंस वाले और मेकअप करने वाले विशेष रूप से जोखिम में हैं। डॉ. सिन्हा ने बताया कि आंखों की सुरक्षा फेफड़ों जितनी ही जरूरी है। चश्मा पहनना और ड्रॉप इस्तेमाल करना जैसे छोटे कदम आंखों को बचा सकते हैं। अगर लालिमा, दर्द या धुंधली नजर बनी रहे, तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत अवधि को 15 सितंबर तक बढ़ा दिया है। उनकी पिछली न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। उसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय शंकर की अदालत ने 14 दिन और न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। संदीपा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 12 अगस्त को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी हिरासत की मांग की जा सकती है। ईडी की जांच के अनुसार, संदीपा ने धोखाधड़ी और झूठे वादों के जरिए अपने नाम पर अचल संपत्ति खरीदी। वह खुद को हाइबूकेयर डॉट कॉम नामक वेबसाइट की मालिक बताती हैं जो कथित तौर पर एफडीए-स्वीकृत ब्यूटी प्रोडक्ट्स बेचने का दावा करती हैं। हालांकि, ईडी ने पाया कि वेबसाइट पर दिखाए गए उत्पाद अस्तित्व में ही नहीं हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वेबसाइट पर न तो मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी हिरासत की मांग की जा सकती है। ईडी की जांच के अनुसार, संदीपा ने धोखाधड़ी और झूठे वादों के जरिए अपने नाम पर अचल संपत्ति खरीदी। वह खुद को हाइबूकेयर डॉट कॉम नामक वेबसाइट की मालिकयूजर रजिस्ट्रेशन की सुविधा है और न ही भुगतान गेटवे ठीक से काम करता है। साइट पर सोशल मीडिया पर भी बहुत कम गतिविधि है, व्हाट्सएप नंबर निष्क्रिय पाया गया और संगठनात्मक विवरण भी पारदर्शी नहीं हैं। इससे यह साबित होता है कि वेबसाइट का कारोबार वास्तविक नहीं है।

NAME CHANGE

I ARUN KUMAR S/O RAGHUBAR DAYAL SHARMA R/O C-225,1st Floor, Street No-7, Near Saboli Railway Crossing, Meet Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed the name of my minor daughter HARSHI PANCHAL aged 12 years and she shall hereafter be known as AWANTIKA PANCHAL.

NAME CHANGE

I, SANJAY TANWAR S/O SAHIRAM R/O 203/1, FATEHPUR BERI VILLAGE, SOUTH DELHI, DELHI-110074. have changed my name to SANJAY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHANTI S/O SANJAY KUMAR R/O FLAT NO-58-D, POCKET-A, MAYUR VIHAR PHASE-II, DELHI-110091. have changed my name to SHANTI KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sharda Sharna W/O Ashok sharma R/O KH no -58 Salem pur marza Vijay colony Burari Delhi 110084 Changed my Name to Sharda Sharma

NAME CHANGE

I Lakki Sood S/O Davender Nath Sood R/O WZ-43 Plot No 80 Ground Floor Vishnu Garden Tilak Nagar Delhi 110018 Changed My Name to Lucky Sood

NAME CHANGE

RACHANA BHADORIYA is legally Wife of No. JC-708467M Rank- NB SUB (BTA) Name- KULDEEP SINGH BHADORIYA Presently resident of VILL-KHERIYA POST-MANHAD TEH- MEHGAON DIST-BHIND, (MADHYA PRADESH)-477557 have changed my name from RACHANA BHADORIYA to RACHNA BHADORIYA for all future Purposes. Vide Affidavit Dated 15/12/2025 before Notary Public New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
बेदखल अधिसूचना

इसके माध्यम से प्राधिकृत, निवासी श्री किशन पाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री राम सिंह, आधार क्रमांक 9491 7355 1505, स्थायी निवासी मकान नंबर K-12-A, चाणक्य प्लेस भाग-2, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059, द्वारा यह सार्वजनिक सूचना/घोषणा दी जाती है कि-

1. मैं यह घोषणा करता हूं कि मेरा पुत्र, नितिन सिंह @ सौरव @ पासा, पुत्र श्री किशन पाल सिंह, जन्म तिथि- 14/02/2000, आधार कार्ड नंबर 8807 4120 1338, अपने आचरण और संगत के कारण मेरे नियंत्रण और प्रभाव से पूरी तरह बाहर हो गया है। वह लगातार मेरे वैध निर्देशों का पालन नहीं करता है और गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है।
2. मेरी बार-बार की सलाह, चेतावनियों और सुधार के सभी प्रयासों के बावजूद, उसने अपराध और अवैध नशीले पदार्थों के सेवन में गहराई से शामिल लोगों की संगत बनाए रखने का चुनाव किया है। उसका व्यवहार अब भी उद्दंड और अनियंत्रित बना हुआ है। मैं यहां स्पष्ट रूप से घोषित करता हूं कि मैं उसके स्वतंत्र कार्यों, आचरण या उस पर आने वाली किसी भी देनदारी के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं रखता।
3. मैं आगे यह घोषणा करता हूं कि संबंधों के पूर्णतः विच्छेद और उसे बेदखल करने के कारण, मैं अपने पुत्र नितिन सिंह के कार्यों, ठिकाने या कल्याण के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं रखूंगा। यदि किसी भी कानून प्रवर्तन एजेंसी को किसी अवैध गतिविधि के संबंध में उसे तलाशने, पूछताछ करने या हिरासत में लेने का कारण होता है, तो मैं उसे किसी भी पुलिस स्टेशन या अदालत के सामने पेश करने या उसके आचरण से उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी देनदारी के लिए जिम्मेदार नहीं रहूंगा। मैंने सभी संबंध तोड़ लिए हैं और उस पर कोई अधिकार या नियंत्रण नहीं रख सकता।

देवनंद प्रसाद, अधिवक्ता,
चैम्बर नं. 302, द्वारका कोर्ट लॉयर्स चैम्बर, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली-110075

NAME CHANGE

I, Kalpana Gupta w/o Late Nagina Prasad R/o Ward No-08, Village Musachak Post Bhakurahar, Rasulpur Rambhadar URF Chlk, Sitamarhi, Bhakurahar, Bihar-843313 have changed my name to Kalpana Devi Permanently.

NAME CHANGE

I, SHAHABUDDIN ALIAS SHABUDDIN ANSARI S/O AKHTAR ALI R/O H.NO D -28 STREET NO 4 ARAM PARK SHASTRI NAGAR GANDHI NAGAR EAST DELHI DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHBUDDIN PERMANENTLY

NAME CHANGE

I MOHAMMAD NASIR S/O RAFEEZ R/O H-68 H-BLOCK GARHWALI, MOHALLA LAXMI NAGAR DELHI-110092 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD NASIR FOR ALL PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण मुकेश उम्र-45 वर्ष पुत्र श्री राज राम निवासी खसरा न0 21/4, ई-ब्लॉक फेस-1, गोयला डेरी, कुतुब विहार, साऊथ वेस्ट दिल्ली-110071 एवं उसकी पत्नी तारा ने अपने पुत्र अविनाश उम्र 23 वर्ष, पुत्रवधु शिम्पी उम्र 23 वर्ष और पोती अवनी उम्र 10 महीने सभी निवासी खसरा न0 21/4, ई-ब्लॉक फेस-1, गोयला डेरी, कुतुब विहार, साऊथ वेस्ट दिल्ली-110071 इन सभी को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से उनके अभद्र व्यवहार, गाली गलौच व अनियंत्रित होने के कारण तुरंत प्रभाव से बेदखल कर दिया है। मुवक्किलगण ने पुत्र अविनाश, पुत्रवधु शिम्पी और पोती अवनी से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इन उपरोक्त लोगों के द्वारा किये गये किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कार्य व किसी भी प्रकार के लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किलगण की कोई जिम्मेदारी न है और ना ही भविष्य मे होगी।

(रविन्द्र शर्मा) अधिवक्ता
CH. NO. 846, DWARKA COURT COMPLEX, SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-110075

NAME CHANGE

I, MOHMMAD BABUL S/O MOHD HASSAN R/O PLOT NO-39-B, BLK B-1 EXTN, SEWAK PARK, NEAR DWARKA METRO STATION, UTTAM NAGAR, PO. D.K.MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD BABUL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SARITA W/O PRAVEEN CHAUHAN R/o RATAN THAL(180) REWARI HARYANA-123301, I HAVE CHANGED MY NAME TO SARITA CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, BIMLESH KUMARI W/O SURESH KUMAR R/o D-15/12, GROUND FLOOR ARDEE CITY SECTOR-52 WAZIRABAD GURGAON HARYANA-122003 I HAVE CHANGED MY NAME TO BIMLESH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, HIMANSHU S/O PREMPAL R/o BASSAI(47), MAHENDRAGARH HARYANA-123029, I HAVE CHANGED MY NAME TO HIMANSHU SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, VINOD S/O DEEPCHAND R/O E-25,E BLOCK EXTN SHYAM VIHAR PHASE-1, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO VINOD KUMAR GODIYAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

I Furkan Ahmed S/o Late Imamuddin R/o 39-A, 3rd Floor, Amrit Nagar, South Extension Part-I, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi-110003 That in my educational document 10th Class marksheet my name has been wrongly written as Furkan Ahmad instead of Furkan Ahmed and in my Passport No:-V2471520 my father's name has been wrongly written as Immamuddin instead of Imamuddin which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Arti Tiwari W/o Late Sh. Pawan Rao R/o RZ-G-25, Gali No.1, Vijay Enclave, Palam, Delhi-110045, have changed my name to Aarti Tiwari for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Mohd Shakil S/O Abdul Hameed , R/O H. No 7, Gali No-2, ARAM PARK, SHASTRI NAGAR, Delhi-110031 have changed the name of my minor son Aatif Malik alias Mohd Aatif aged 12 year and he shall hereafter be known as Mohd Aatif

NAME CHANGE

I, Zarina Begum W/o Faizur Rahman R/O 8355/143, Katra Gauri Shankar, Near Filmistan Cinema, Delhi-110006, I have changed my name to Zarina Khatoon for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PRAHLAD THAKUR S/o RAM LAL THAKUR R/o P-25/3, OLD APS COLONY, DELHI CANTT-110010, have changed my son's name from UTKARSH to UTKARSH THAKUR for all future purposes vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as VINAY KUMAR S/O RAM LAKHAN YADAV R/O HOUSE NO-50A, GALI NO-5, OM VIHAR PHASE-1, PALAM VIHAR EXTENSION, CARTARPURI ALIAS DAULATPUR NASIRABAD, 63 PO:CARTERPURI, DIST: GURGAON, HARYANA-122017 have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY KUMAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RINA W/O CHANDAN KUMAR SINGH R/O B-2/372/1, DUGGAL FARM, TARA NAGAR KAKROLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as REENA and CHANDAN in my minor daughter SANSKRITI aged 13 years in her birth certificate MCDOLIR-0112-005424851. The actual name of mine and my husband is RINA and CHANDAN KUMAR SINGH respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Subedeen S/o Suleman R/o House No.1276, Meherab Patti, Nuh, Meali(118), Mewat, Haryana-122107 hqve changed my name to Subddin.

NAME CHANGE

I, Munnawar Shakil w/o Mohd Shakil Usmani R/o B S. 8, Malibo Town, Tikri(98), Fazilpur, Gurgaon, Haryana-12201 have changed my Date of Birth From 01-08-1967 to 01-08-1964 Permanently.

NAME CHANGE

I,ANJU SINGHAL W/O Shri Sandeep Singhal, D/O Sh. Bhagwati Prasad Agrawal, R/O House No.131/132A Khasra No.286, Gali No.10, BVM Public School, VTC Najafgarh, P.O. Najafgarh, District South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name from ANJU AGRAWAL to ANJU SINGHAL. I shall be known as ANJU SINGHAL in future for all purposes.

PUBLIC NOTICE

I, Anil Kumar Singh S/O Ram Pravesh Singh R/O 23A, SUJAN SINGH BLOCK, CONNAUGHT PLACE, VTC: New Delhi G.P.O., PO: New Delhi G.p New Delhi, Delhi, :110001, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Buddhism and renounced Hinduism w.e.f.14.04.2019.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pan Singh S/O, Umed Singh, R/O House No. 18, Gali No. 14, Block-A, Kaushik Enclave, Near Sabun Factory, Swaroop Nagar Road, BURARI. PO : Burari, DIST: North Delhi, Delhi 110084, declare that name of my wife has been wrongly written as JAINTI DEVI in my PPO No 20117030291509.The actual name of my wife is JAYANTI DEVI, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mrs. Gayatri Devi W/o Mr. Rakesh in respect of First Floor, without roof rights, Portion of built up Property Bearing No. A-21 (Old No. WZ-6B), area measuring 40 Sq. Yds., out of Khasra No. 614, situated in the area of Village Basai Darapur, colony known as Sudershan Park, New Delhi-110015 by virtue of Sale Deed dated 20.07.2021, executed by Mrs. Prem Lata W/o Mr. Jagdish Chander and said property to be sold to Syam Kumar and same to be finance by SMFG India Home Finance Co. Ltd., General public hereby informed that if anybody has any charge/ interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com
Ph: 8130309204, 01204968888.

NAME CHANGE

I, Sunil Dutt S/O Bhagwat Dayal R/O 647, Chirag Delhi Malviya Nagar 110017 Have Changed My Name to Sunil Dutt Bhardwaj for All Future Purposes.

Lost and found

I, SUBASH CHANDRA CHAMOLI S/O LATE BACHI RAM CHAMOLI R/o D-59, SECTOR-4, DEFENCE COLONY, DEHRADUN, UTTARAKHAND 248001 That my some Original Documents has been lost/misplaced by me somewhere and are not traccable by my best efforts of my FLAT No.58, CATEGORY-C, ON GROUND FLOOR, SITUATED IN THE LAYOUT PLAN OF MANPOWER CO-OPERATIVE GROUP HOUSING SOCIETY LTD. BUILT ON PLOT No.69, KNOWN AS KAMAYANI KUNJ, I.P.EXTENSION, PATPARGANJ, DELHI-110092 If anybody find, contact above address.

NAME CHANGE

I, SONU Son of ALIJAN residing at A-1/237, J J COLONY, MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076 have changed the name of my minor daughter NAZIA, aged 3 years and she shall hereafter be known as NAZIA ANSARI. I have changed only her name not her religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, BRHMI DEVI Wife of JC-106837L, Rank-EX-SUB Name-LATE SUKHDEV SINGH residing at C-68 A, DABRI EXTN. EAST, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, have changed my name from BRHMI DEVI to BRAHMI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, IFRA D/o IRFAN, R/o 3469, Gali Theley Wali, Bara Hindu Rao, Delhi Sadar Bazar, PO: Delhi G.P.O., Dist: North Delhi, Delhi-110006, declare that name of my father has been wrongly written as MOHAMMAD IRFAN in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father is IRFAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Harsimran Kaur Dhir W/O Amandeep Singh R/O h.no-B2-002, G/f, the legend sushant lok-3, sec-57, wazirabad, Gurgaon, Haryana 122003 changed my name to Harsimran Kaur

NAME CHANGE

I Sajid Ali S/O Ghasita Khan R/O h.no-123, sunder nagari mandoli delhi 110093 changed my name to Mohd Sajid.

NAME CHANGE

I S.K Meena S/O Gopal Lal Meena R/O B-61/B Jai vihar Najafgarh Dwarka delhi 110043 changed my name to Suresh Kumar Meena.

PUBLIC NOTICE

My client Dirgaj Lal S/o Late Narayan, R/o B-499, Gali No. 32, Mahavir Enclave Part-II, West Delhi – 110059, does hereby, out of his own free will and consent, disown and debar his son namely Devender Kumar, including his respective wife Preeti and their children, from all his movable and immovable properties. All connections and relations have been withdrawn from them due to continuous disobedience, misconduct, threats, harassment, disrespect, and fights with my client and his wife, as well as with other concerned family members. They are totally out of the control of my client. My client shall not be held responsible for any of their acts, deeds, or things whatsoever in any manner. With immediate effect, it is for general public information that my client has no relation of any nature whatsoever with his above-stated son, his wife, and children. If anybody deals with them in any manner, it shall be entirely at his/her own risk, cost, and consequences.

Anwar Jamal (Advocate)
D/264/2010
Mobile: +91 99102 96764
E-mail: anwar.edrish@gmail.com
Office-cum-Residence Address: No. B-600, Street No. 34, Mahavir Enclave, Part-II, Uttam Nagar, New Delhi – 110059.

NAME CHANGE

I hitherto known as ANITA RANI alias ANITA D/O JAI PRAKASH W/O HARISH RANA R/O S P A-47, Pandav Nagar, PO: Shakarpur, DIST: East Delhi, Delhi - 110092, have changed my Name and shall hereafter be known as ANITA RANA.

NAME CHANGE

I, VAJA VIRAMBHAI PUNABHAI Father of VAJA MAHIR Presently residing at VILL-MEGHPUR, PO-AJOTHA, TEH-VERAVAL, DIST-GIR SOMNATH, GUJARAT-362268, have changed my minor son's name from VAJA MAHIR to MAHIR VIRAMBHAI VAJA for all future purposes vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I REKHA NARULA W/O ANIL KALRA R/O 9A/87 CHANNA MARKET NEAR SINGH PALACE HOTEL KAROL BAGH DELHI- 110005, I have changed my name to REKHA KALRA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ANIL KUMAR KALRA S/O RAM SWAROOP KALRA R/O 9A/87 CHANNA MARKET, NEAR SINGH PALACE HOTAL KAROL BAGH DELHI-110005, I have changed my name to ANIL KALRA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MANISH S/O LATE RAKESH CHAUHAN, R/O D-4, 3rd FLOOR ASHIRWAAD BUILDING, GALI NO - 1 KHASRA NO- 657 A, DEOLI DELHI- 110062, I have changed my name to MANISH CHAUHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I USHA DEVI W/O LATE RAKESH CHAUHAN R/O D-4, 3RD FLOOR ASHIRWAAD BUILDING, GALI NO-1, KHASRA NO 657A, DEOLI DELHI-110062 I have changed my name to USHA CHAUHAN Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Anushka D/O Sandip R/O H. No. 344/3, Old Post Office Wali Gali, Shahdara, North East Delhi-110032, declare that name of mine my father and my mother have been wrongly written as Anushka Jindal, Sandeep Jindal and Smita jindal in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine my father and my mother are Anushka Sandip and Smita, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Abha Akhilesh Prasad Singh D/O Satyanarayan Singh W/O Akhilesh Prasad Singh R/O 892, Amantha, Gaur, Techzone -4, Greater Noida West, Gautam Budha Nagar, UP - 201318, Have changed my name to Abha Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MAMTA W/O VINOD KUMAR GODIYAL R/O E-25,E BLOCK EXTN SHYAM VIHAR PHASE-1,NAJAFGARH,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO MAMTA GODIYAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, PARVINDER KAUR NAGI / PARVINDER KAUR KALSI / PARVINDER KAUR W/O GURDEV KALSI R/O HOUSE NO-170, FIRST FLOOR, SECTOR-9A, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO PARVINDER KALSI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, GURDEV SINGH KALSI /GURDEV SINGH S/O SATNAM SINGH R/O HOUSE NO-170, FIRST FLOOR, SECTOR-9A, GURGAON ,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO GURDEV KALSI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ANIL S/O BIRBHAN SINGH R/O VILLAGE DHANA, SECTOR-8, IMT MANESAR, GURGAON, HARYANA-122503, HAVE CHANGED MY ANIL KUMAR FOR ALL PURPOSE

PUBLIC NOTICE

Reg: Ground Floor without roof rights referred to as "said floor" of Built-up Freehold Property bearing No. 169, Built-on land measuring 176.67 sq. yds. (i.e. 147.72 sq. mtrs. approx.), situated in the layout plan of Central Govt. Industrial Workers Co-operative House Building Society Ltd., presently known as Anand Vihar, Pitam Pura, Delhi-110034.; hereinafter referred to as "said property".

Be it known to all that our clients, Mr. Vipul Bansal and Mrs. Sarika Bansal (hereinafter called the "Purchasers") intend to purchase the said floor from Mr. Anil Kumar Mehta (hereinafter called the "Seller"). In this connection, the seller has informed the purchasers that he is the owner of the said property vide Relinquishment Deed dated 03/06/2022 executed by Mrs. Nirmal Mehta & Mrs. Sunita Singh vide Document No. 8857. The seller has further informed that initially Mr. Baldev Krishan Mehta was the owner of the said property vide Share Certificate, Perpetual Lease Deed dated 23.05.1978 and Conveyance Deed dated 16.08.1995. And after his unfortunate death on 04.12.2021, leaving behind three legal heirs namely Mr. Anil Kumar Mehta, Mrs. Nirmal Mehta and Mrs. Sunita Singh. Out of three legal heirs, two have relinquished their respective shares in favour of seller as above mentioned. The seller has also informed the purchasers that the said floor is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said floor.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the aforesaid floor is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the seller to the said floor shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchasers, in any manner whatsoever.

Shivkant Arora Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF,Defence Colony, New Delhi -110024

NAME CHANGE

I, SAZIA W/o Mohammad Rizwan R/o H.No.25A, Gali No.25, Molarband, Badarpur, Delhi-110044, have changed my name to SAZIA ANSARI permanently

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mohammed Sajid Neyazi S/O: Mohammed Neyaz Ahmad, R/O House No-C-281, 3rd Floor, Shaheen Bagh Abul Fazal Part-2, Okhla, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, DIST: South Delhi, Delhi -110025, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Md Sajid Neyazi and Mahelaqua Parween in my minor daughter namely Arusha Neyazi aged 13 years in his school record. The actual name of mine and my wife are Mohammed Sajid Neyazi and Mahelaqua Perween, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as INDRA KAIRALA W/O MADAN KOIRALA R/O Gejha Sector- 93, Noida Salarpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201304 have changed my nameand shall hereafter be known as INDIRA KOIRALA.

NAME CHANGE

I, KOMAL D/o Gurbachan Manchanda R/o Plot No.69 A, Second Floor, Near Nirankari Bhawan, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to KOMAL MANCHANDA permanently.

NAME CHANGE

I, NASIB KAUR Mother of No 15176457W, Rank-HAV, Name-HARPREET SINGH residing at VILL-TIBI HARI SINGH, PO-MIRPUR KALAN, TEHSIL-SARDULGARH, DIST-MANSA, PUNJAB-151507 have changed my name from NASIB KAUR to NASEEB KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DARSHN SINGH father No 15176457W, Rank-HAV, Name-HARPREET SINGH residing at VILL-TIBI HARI SINGH, PO-MIRPUR KALAN, TEHSIL-SARDULGARH, DIST-MANSA, PUNJAB-151507 have changed my name DARSHN SINGH to DARSHAN SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 4189004W, Rank- EX-HAV Name-RAMESH KUMAR residing at VPO-SIRSALI, TEHSIL-CHURU, DISTT-CHURU, RAJASTHAN-331029, have changed my father's name from RAM NIWAS to RAM NIWAS YADAV for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1945 instead of his correct date of birth as 01/07/1950 vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AAMNA D/O AKBAR MIYA R/O L-593, Gali No-7, Sangam Vihar, Po: Dr, Ambedkar Nagar, Dist: South Delhi, Delhi-110080 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as AMNA, AKBAR and NASIMA in my 10th Class Nios Educational Documents and name of my father and my mother has been wrongly written as AKBAR and NASIMA in my 12th Class Nios Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are AAMNA, AKBAR MIYA and NASEEMA BEGAM respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, KRISHNA D/O BRIJPAL SINGH EX W/O KULDEEP SINGH R/O- H NO 249, SEC-2, CHIRANJEEV VIHAR, GHAZIABAD 201002.DECLARE THAT I GOT DIVORCE FROM MY HUSBAND KULDEEP SINGH VIDE COURT DECREE NO.910/2023 CASE NO. 2647/2024 REGISTRATION NO.2708/2024 CNR NO. UPGZ02004891/2024 DATED 03.04.2025. FURTHER I REMARRIED WITH VIKASH MALIK S/O MAHIPAL SINGH RESIDING AT GOYLA GOELA DISTT. MUZAFFARNAGAR 251318. VIDE MARRIAGE CERTIFICATE NO202513703403 DATED 11.07.2025.FURTHER I HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON NAMELY PARTH SIDDHU AGED 17 YEARS AND WE SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS PARTH MALIK AND KRISHANA MALIK RESPCTIVELY HENCE FORTH I ALSO DECLARE THAT THE NAME OF THE FATHER MY MINOR SON MAY BE KNOWS AS VIKASH MALIK IN FUTURE FOR ALL PURPOSES. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KRISHNA

NAME CHANGE

I, POONAM D/O RAM VYAS R/O FLAT NO-1205, TOWER-11, THE SERENAS, SECTOR-36, SIGNATURE GLOBAL, SOHNA, GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO POONAM BIRLA FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mohammed Sajid Neyazi S/O: Mohammed Neyaz Ahmad, R/O House No-C-281, 3rd Floor, Shaheen Bagh Abul Fazal Part-2, Okhla, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, DIST: South Delhi, Delhi -110025, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Md Sajid Neyazi and Mahelaqua Parween in my minor daughter namely Samaira Neyazi aged 13 years in his school record. The actual name of mine and my wife are Mohammed Sajid Neyazi and Mahelaqua Perween, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINITA DEVI is a real wife of No. 4072217Y Rank NK Name JITENDRA SINGH RAWAT presently residing VILL-MANPUR, PO-KASHIPUR, DISTT-UDHAM SINGH NAGAR, (UTTARAKHAND)-244713 have changed my name from VINITA DEVI to VINETA RAWAT For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 11/12/2025 Before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE UTTARAKHAND.

NAME CHANGE

I, UMDA DEVI is a real mother of No. JC-588677N Rank SUBEDAR (CLK SD) Name BHARAT BHUSHAN SINGH presently residing VILL-SIMRI BAKHTIYARPUR, PO-BAKHTIYARPUR, DISTT-PATNA, (BIHAR)-803212 have changed my name from UMDA DEVI to UMADA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 01/12/2025 before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE Delhi.

NAME CHANGE

I, OM VIR S/O DHUPAN R/O 107 A HUMAYUNPUR SAFDARJUNG ENCLAVE, NEW DELHI-10029 have changed my name to OMBIR SINGH GAHLOT for all purposes

NAME CHANGE

I, LILAVATI DEVI Wife No. 15779123K Rank-HAV(DMT) Name-MANOJ KUMAR YADAV Presently residing at VILL-AHIRAILI, PO-MANTA, TEH-MOHAMMADABAD, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233229, have changed my name from LILAVATI DEVI to LILAWATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD GHOUSE, legally father of No. JC 462713F, Rank–Nb Sub, MOHD KALEEM, R/o 1-2, Vill Nerellapalle, Post Gunded, P.S Balangar, Teh Jadcherla, Dist Mahabubnagar, Telangana-509202, have changed my date of birth from 22/07/1958 to 19/02/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/12/2025 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, HANIFA BI, legally mother of No. JC 462713F, Rank–Nb Sub, MOHD KALEEM, R/o 1-2, Vill Nerellapalle, Post Gunded, P.S Balangar, Teh Jadcherla, Dist Mahabubnagar, Telangana-509202, have changed my name from HANIFA BI to HANEEFA BEE and date of birth from 22/07/1963 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 13/12/2025 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I Rajender Kumar Anand S/o Inder Raj Anand, R/o A 32/ F1,DLF COLONY, BHOPURA SAHIBABAD, GHAZIABAD, PIN:201005, UTTAR PRADESH, INDIA , have changed my name to Rajender Kumar for all future purposes and both are the names of the same person.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा पुलिस ने 803 ठिकानों पर छापेमारी कर 39 कुख्यात अपराधी पकड़े

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तहत राज्य में 803 चिह्नित नशा और जुआ हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी। इस ऑपरेशन ने फरार और हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी में बड़ी सफलता हासिल की, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था और भी मजबूत हुई। पुलिस महानिदेशक कार्यालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार इस विशेष अभियान के दौरान 173 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया और विभिन्न धाराओं के तहत 75 नए मामले दर्ज किए। इनमें आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज तीन मामले भी शामिल हैं, जिनमें चार आरोपियों को अवैध हथियार रखने के जुर्म में सजा हुई है। साथ ही, पुलिस ने 39 फरार हिंसक अपराधियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया, जो लंबे समय से कानून की गिरफ्त से बाहर थे। पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ 30 महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस रिपोर्ट साझा की गई, जबकि विदेश में छिपे अपराधियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया। इस अभियान के दौरान कुल 28,68,430 रुपये की नकदी बरामद की गई, जिसमें पलवल जिले से 20 लाख रुपये और सिरसा से 8 लाख रुपये की बड़ी बरामदगी शामिल है। पुलिस ने 12.12 किलोग्राम गांजा, 150 ग्राम अफीम, 220 ग्राम चरस/सुल्फा और 453 ग्राम हेरोइन जब्त की। इसके अलावा अपराध में प्रयुक्त 2 कार, 4 मोटरसाइकिल, 3 स्कूटी/एक्टिवा, 1 ई-रिक्शा और 7 मोबाइल फोन व सिम कार्ड भी जब्त किए गए। साथ ही, पुलिस ने 2 देसी कट्टे, 1 पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस भी बरामद किए।

सोनीपत में वायु प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप-4 लागू

सोनीपत। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता के अत्यंत गंभीर स्तर पर पहुंचने के चलते वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के आदेशानुसार सोनीपत जिले में प्रदूषण नियंत्रण की ग्रैप-4 को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उपायुक्त सुशील सारवान ने जिले के सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि पहली, दूसरी और तीसरी अवस्था में पहले से लागू प्रावधानों के साथ-साथ चौथी अवस्था से संबंधित अतिरिक्त निर्देशों का भी कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक अत्यंत चिंताजनक स्तर को पार कर चुका है। हवा की गति बेहद कम होने, वातावरण में स्थिरता, धुंध और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण प्रदूषक तत्व तेजी से एकत्र हो रहे हैं। हुए आपात नियंत्रण उपाय लागू किए गए हैं, ताकि प्रदूषण के स्तर में और वृद्धि को रोका जा सके। आदेश के अनुसार भारत मानक चार डीजल ट्रकों के दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केवल तरलीकृत प्राकृतिक गैस, संपीड़ित प्राकृतिक गैस, विद्युत चालित और भारत मानक छह डीजल ट्रकों को ही आवागमन की अनुमति होगी। इससे पहले से ही भारत मानक तीन और उससे नीचे के डीजल वाणिज्यिक वाहनों पर प्रतिबंध लागू है।

निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र का मजबूत आधार: अरविंद शर्मा

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता लोकतंत्र के मुख्य स्तंभों में से एक है। पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और शासन के बीच सेतु की भूमिका निभाती है। श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के कल्याण कोष स्थापना दिवस पर शिवाला मस्तनाथ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने यह विचार व्यक्त किए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पत्रकारों की कलम और कैमरा समाज की पीड़ा, अनियमितताओं और प्रेरक कहानियों को सामने लाकर लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखते हैं। कठिन परिस्थितियों और हर मौसम में पत्रकार सटीक और विश्वसनीय सूचना जनता तक पहुंचाते हैं, जिससे जनविश्वास मजबूत होता है। इसी भावना के तहत उन्होंने श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के कल्याण कोष के लिए स्वैच्छिक कोष से 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की और भविष्य में भी सहयोग जारी रखने का भरोसा दिलाया। डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार मीडिया कर्मियों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 2017 से लागू पेंशन योजना के तहत अब 15 हजार रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त मीडिया कर्मियों को बीमा सुरक्षा, आर्थिक सहायता, आवास आरक्षण तथा रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध कर्मचारी राज्य बीमा निगम: सुनील यादव

गुरुग्राम। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा संस्था है। यह संस्था संगठित क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को स्वास्थ्य, मातृत्व एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े व्यापक लाभ प्रदान कर रही है। यह योजना उन कारखानों एवं संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों पर लागू होती है, जिनका मासिक वेतन निर्धारित सीमा 21000 रुपये तक है। यह जानकारी ईएसआईसी के उप-क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख एवं निदेशक (प्रभारी) सुनील यादव ने रविवार को दी। सुनील यादव ने बताया कि योजना के अंतर्गत पंजीकरण के उपरांत कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिवारजन चाहे वे पुरुष हों या महिलाएं, मुफ्त अथवा रियायती चिकित्सा सुविधा, अस्पताल में उपचार, दवाइयां, हॉस्पिटलाइजेशन सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत मातृत्व लाभ एक महत्वपूर्ण प्रावधान है, जिसके तहत गर्भावस्था, प्रसव तथा प्रसव पूर्व एवं प्रसवोत्तर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बीएलए-1 के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर पर कार्ययोजना तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बीएलए-1 की इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार और संगठन के बेहतर तालमेल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आज संगठन और सरकार के सशक्त तालमेल से ही प्रभावी रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बीएलए-1 की भूमिका को चुनावी प्रक्रिया की रीढ़

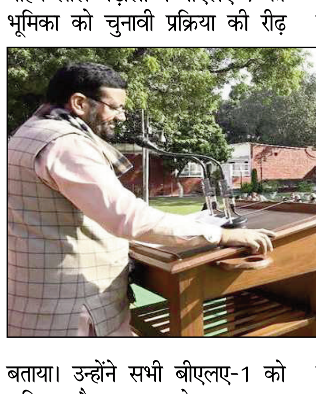

बताया। उन्होंने सभी बीएलए-1 को सक्रिय और सजग रहने का आह्वान किया। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने बीएलए-1 को उनके कार्य समझाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता मेरी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता भाजपा को ताकत देते हैं, जनता के बीच काम करते हुए संगठन की शक्ति को और बढ़ाते हैं। सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रयासों से आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में बीएलए-1 की भूमिका महत्वपूर्ण है। नायब सैनी ने कहा कि बीएलए-1 की अहम जिम्मेदारी है कि पात्र नागरिक मतदाता सूची से ना छूटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल ना हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना मजबूत और समावेशी लोकतंत्र की आधारशिला है। बैठक में बोलते हुए नायब सैनी ने कहा कि पीएम मोदी भी कहते हैं कि चुनाव हमेशा बूथ से लड़ा जाता है। इसलिए हमारा बूथ प्रबंधन बहुत ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार ने जनहित में अनेकों योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की सभी योजनाओं का समान रूप से हर वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है। सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया वे सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं और लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने का काम करें।

गुरुग्राम: खेड़की गांव में चलाया स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) तथा नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) के संयुक्त तत्वावधान में खेड़की गांव में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित इस अभियान में नगर निगम गुरुग्राम की ओर से अतिरिक्त आयुक्त रविंद्र यादव का विशेष सहयोग रहा।

अभियान के दौरान क्षेत्र को स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से प्लास्टिक थैलियों के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया तथा स्टॉर्म वाटर ड्रेनों की साफ-सफाई की गई। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सिद्धार्थ भार्गव ने अभियान के दौरान ग्रामीणों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा जल निकासी व्यवस्था को बाधित न करने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है और ऐसे अभियानों से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तक हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं नगर निगम गुरुग्राम द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के संयुक्त अभियानों का क्रम जारी रहेगा। इस अवसर पर, पार्षद प्रतिनिधि अशोक पहलवान, मोनू यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन जिला के आकांक्षी खंड हथीन को हर क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए कृतसंकल्प : उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। केंद्र सरकार के नीति आयोग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'नीति फॉर स्टेट केस चैलेंज' में हरियाणा के पलवल जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिले को यह सम्मान आकांक्षी ब्लॉक हथीन में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारी और प्रभावी कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के लिए उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ को नीति आयोग की ओर से एक लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया है। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि यह सम्मान न केवल पलवल जिले बल्कि पूरे हरियाणा के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रभावी नेतृत्व, सही रणनीति और डेटा आधारित निर्णयों का परिणाम है। जिला प्रशासन आकांक्षी ब्लॉक हथीन को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और बुनियादी ढांचे सहित हर क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए कृतसंकल्प है।

खिलाड़ियों की उपलब्धि हरियाणा और पूरे देश के लिए गर्व का विषय: मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज बहरीन में आयोजित एशियन यूथ गेम्स-2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़के एवं लड़कियों की भारतीय कबड्डी टीमों के सदस्य रहे हरियाणा के खिलाड़ियों के एक प्रतिनिधिमंडल को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी मुख्यमंत्री से आज चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में मिले। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टीम के कप्तान ईशांत राठी सहित सभी खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत

और हरियाणा का नाम रोशन करने वाले युवा खिलाड़ियों से मिलना उनके लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता में विजय नहीं है, बल्कि हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति, कठोर अनुशासन, मजबूत इच्छाशक्ति और युवाओं की जुझारू भावना की जीत है। नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों के कोच और प्रशिक्षकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि वे भले ही अक्सर पर्दे के पीछे रहते हैं, लेकिन खिलाड़ियों की सफलता के असली शिल्पकार वही होते हैं। उनकी योजना, अनुशासन, प्रशिक्षण पद्धतियां और निरंतर परिश्रम ने ही इस उपलब्धि को संभव बनाया है।उन्होंने कहा कि यह विजय हरियाणा के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। गांवों में खेल रहे हजारों बच्चे अब इन खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानेंगे और बड़े सपने देखेंगे। इन खिलाड़ियों की गांव के मैदानों से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक की यात्रा हर युवा में यह विश्वास जगाती है कि मेहनत और अनुशासन से बड़े से बड़ा सपना भी साकार किया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 11 वर्ष पहले खेलों के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित किया था, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को खेलों से जोड़ना, प्रत्येक गांव में खेल मैदान विकसित करना और खेलों के प्रति जुनून रखने वाले हर युवा को अवसर प्रदान करना है।

उत्तर भारत में सबसे बेहतरीन बनेगा आर्यभट्ट रीजनल साइंस सेंटर : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में आर्यभट्ट रीजनल साइंस सेंटर उत्तर भारत का सबसे बेहतरीन साइंस सेंटर होगा जहां विज्ञान से जुड़े विभिन्न पहलुओं को बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। विज ने आज अम्बाला छावनी में देर शाम निर्माणाधीन साइंस सेंटर का निरीक्षण किया और मौजूद अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की जानकारी ली।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि साइंस सेंटर विद्यार्थियों के लिए सबसे लाभदायक होगा जिन्हें साइंस गैलरी में लाइव वेदर के अलावा अंतरिक्ष विज्ञान, गणित एवं अन्य रोचक जानकारियां हासिल हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि जीटी रोड पर 5 एकड़ भूमि पर आर्यभट्ट साइंस सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। साइंस सेंटर अपनी तरह का बड़ा व यूनिक रिजनल साइंस सेंटर होगा। चार मंजिला बनने वाले साइंस सेंटर

में विद्यार्थियों को आधुनिक तरीके से रोचक व अन्य जानकारियां दी जाएंगी जिससे उनकी विज्ञान में रुचि और बढ़ेगी। बच्चों के अलावा अन्य वर्गों के लिए भी साइंस सेंटर भी विभिन्न जानकारियां होंगी।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा साइंस सेंटर होगा जिसमें लाइव वेदर को स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा और वर्चुअल तरीके से भी अन्य जानकारियों को दर्शाया जाएगा। सेंटर का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सेंटर के बनने से अम्बाला के लोगों को इसका सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा। साइंस सेंटर पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा। हरियाणा के अलावा, विभिन्न राज्यों से लोग इसे देख पाएंगे क्योंकि समूचे उत्तर भारत में यह साइंस सेंटर अलग किस्म का होगा। गौरतलब है कि लगभग 36 करोड़ रुपए की लागत से साइंस सेंटर का निर्माण कार्य किया जा रहा है और गत दिनों सेंटर के पुनः टेंडर होने के बाद निर्माण कार्य को प्रारंभ कर दिया गया है। साइंस सेंटर का कार्य दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में ग्राउंड और प्रथम तल का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। यह निर्माण पूरा होने पर ग्राउंड व प्रथम तल पर साइंस सेंटर में लगने वाले उपकरणों को लगा दिया जाएगा। दूसरे चरण में द्वितीय तल व तृतीय तल का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। सेंटर में ग्राउंड व तीन फ्लोर होंगे। उन्होंने बताया कि अम्बाला में बन रहा साइंस सेंटर एक आधुनिक सेंटर होगा। उत्तर भारत में इस स्तर का साइंस सेंटर केवल अम्बाला में होगा।

जेजेपी युवा पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, संगठन मजबूती पर होगा मंथन

एजेंसी

चंडीगढ़। जुलाना रैली की सफलता के बाद जननायक जनता पार्टी ने संगठन मजबूती पर जोर दिया है। इस दिशा में जेजेपी के युवा पदाधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला युवा प्रदेश कार्यकारिणी के साथ राजस्थान के बीकानेर रवाना हुए। जेजेपी द्वारा यहां 14 और 15 दिसंबर को आयोजित इस युवा प्रशिक्षण शिविर में संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर विस्तृत मंथन किया जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी की युवा टीम संगठन की अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से संगठन मजबूती के मूल मंत्र दिए जाएंगे। दिग्विजय

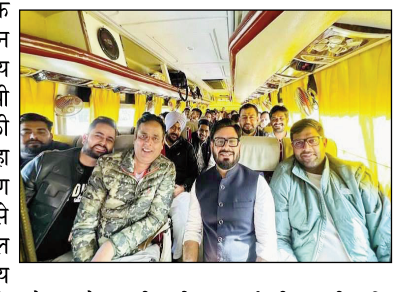

ने कहा कि युवाओं से जुड़े अनेक मुद्दों पर भी गंभीरता चर्चा की जाएगी ताकि आने वाले समय में फील्ड में उतरकर युवाओं की आवाज मजबूती बुलंद की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण शिविर के उपरांत युवा जेजेपी अपने युवा योद्धा सम्मेलन कार्यक्रमों को दोबारा शुरू करने जा रही है। दिग्विजय ने कहा कि 28 दिसंबर को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला की कर्मभूमि महेंद्रगढ़ और तीन जनवरी को भिवानी में युवा योद्धा सम्मेलन किए जाएंगे। इससे पहले सिरसा, कैथल, फरीदाबाद में सफल कार्यक्रमों का आयोजन युवा जेजेपी ने किया था।

आरआरटीएस से बदलेगी रेवाड़ी व बावल की सूरत : राव इंद्रजीत

एजेंसी

रेवाड़ी। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गांव बाम्बड़ में कूड़ियाराम की मूर्ति का अनावरण किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से जल्द ही आरआरटीएस की मंजूरी मिलने जा रही है। आरआरटीएस के निर्माण के बाद रेवाड़ी व बाबल की सूरत तेजी से बदलेगी। केंद्रीय मंत्री ने गांव में रोड के निर्माण कार्य के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इस मौके पर रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव भी मौजूद रहे।

राव इंद्रजीत सिंह ने कार्यक्रम के संयोजक एवं कूड़ियाराम यादव के पुत्र सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गबरू, हरीश यादव और उनके परिवार की सराहना करते हुए कहा कि मूर्ति स्थापित करके अपने पूर्वजों का मान-सम्मान बढ़ाने का नेक कार्य किया है। हम सभी को अपने पूर्वजों को याद रखते हुए उनके सम्मान में ऐसे कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में पूरे देश और प्रदेश सहित रेवाड़ी जिले का भी तेजी से विकास हो रहा है। रेवाड़ी युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने के साथ-साथ नेशनल हाईवे, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जिले में विभिन्न तरह की संस्थाएं स्थापित होने से लोगों को

इनका लाभ मिल रहा है। आज रेवाड़ी का देश-विदेश में डंका बज रहा है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से रेवाड़ी का चहुंमुखी विकास हो रहा है। एम्स का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आने वाले दिनों में रेपिड मेट्रो का कार्य भी जल्द शुरू हो जाएगा। इस मौके पर एसडीएम सुरेश कुमार, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण, चेयरमैन कंवर सिंह, अनिल रायपुर, सरपंच प्रवीन चौधरी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गुरुग्राम जिला प्रशासन ने सर्दी से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

गुरुग्राम। आगामी दिनों में ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें, इस सम्बन्ध में हरियाणा राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। बचाव संबंधी जानकारी देते हुए डीसी अजय कुमार ने लोगों से सचेत होकर शीतलहर आपदा से बचाव का आह्वान किया है।डीसी अजय कुमार ने कहा कि शीत लहर के समय यथासंभव घर के अंदर ही रहे, ठंडी हवा से बचने के लिये कम से कम यात्रा करें।

रेडियो व अन्य मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें। बुजुर्ग और बच्चों का ठीक से देखभाल करें एवं ऐसे पड़ोसी जो अकेले रहते हैं विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपातकालिन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध हो।

एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधित सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म उनी भीतरी कपड़े पहने। शरीर की गर्मी बचाए रखने के लिये टोपी एवं जलरोधी जूतो का प्रयोग करें। सिर को ढंके क्योंकि सिर के उपरी सतह से शरीर की गर्मी की हानि होती है और अपने फेफड़ो की सुरक्षा के लिये अपना मुहं ढक कर रखें। गर्म तरल पदार्थ नियमित कप से पिएं, इससे ठंड से लडने के लिये शरीर की गर्मी बनी रहेगी।

डीसी ने कहा कि शरीर में उष्मा के प्रवाह को बनाये रखने के लिये पोष्टिक आहार एवं निर्जलीकरण से बचने के लिए शराब आदि का सेवन ना करें। शीतंदश होने पर चिकित्सक की सलाह ले जैसे संवेदनशून्यक सफेद अथवा पीले पड़े हाथ और पैरो की उंगलिया, कान की लौ तथा नाक की उपरी सतह इत्यादि। हाईपोथर्मिया (शरीर का तापमान समान्य से कम) होने जैसे अनियंत्रित कांपना , बोलने में दिक्कत, अनिंद्रा, मांसपेशियों में अकडन्, सांस लेने में दिक्कत इत्यादि पर चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

रोहतक में कोहरे की मार:वाहनों की टक्कर में चार की मौत

ज्योति दर्पण

रोहतक। सर्दी की पहली धुंध ने जिले में कोहराम मचा दिया। जिले में अलग-अलग स्थानों पर घने कोहरे के चलते कई वाहन आपस में टकरा गए, जिससे चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया।

इस दौरान आसपास के गांव के लोगों ने भी ने भी हादसों में घायल लोगों की मदद की। रविवार सुबह धुंध इतना ज्यादा थी कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। सड़क पर वाहन कछुए की तरह रेंगते हुए नजर आए। धुंध के चलते खरकखड़ा गांव के पास नेशनल हाईवे 152 डी पर कई वाहन आपस में टक्करा गए, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हादसे के बाद काफी संख्या में आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वाहनों में फंसे घायल लोगों को वाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि खरखड़ा के पास वाहन टकराने से दो दर्जन से अधिक लोग घायल आपस में भिडे है और कई लोग घायल हुए है और दो युवकों की मौत भी हुई है। वहीं गांव पहरावर के पास जलेबी चौक के पास भी धुंध के

हुए है और आशीष पुत्र सुरेश निवासी रानीला की मौत हो गई। सूचना चलते आधा दर्जन से अधिक वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए है।

NAME CHANGE

I, AJJU KHA S/o JAHAR KHA R/o 55, Ward No. 02, Gram- Madori, Post- Chandera, Madori, Chandera, Tikamgarh, Madhya Pradesh-472118, have changed the name of my minor daughter MAHAK BANO aged 17 years and she shall be hereafter known as ASHTA BANO, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as PRATIMA KUMARI alias DIMPLE SINGH W/o ARBIND KUMAR, R/o Lakhanpur, PO: Lakhanpur, Dist: Patna, Bihar-804453, have changed my name and shall hereafter be known as DIMPLE SINGH.

पानीपत में चोरी हुई बुलेट बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत एंटी व्हीकल थेफ्ट पुलिस की टीम ने चोरी की एक बुलेट बाइक के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान भगत सिंह कॉलोनी निवासी रियान व नवीन कॉलोनी निवासी मोहिद के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया उन दोनों को बुलेट बाइक चलाने का शौक है। दोनों ने मिलकर शौक पूरा करने के लिए उक्त बुलेट बाइक चोरी की। एंटी व्हीकल थेफ्ट इंचार्ज सब इंस्पेक्टर राकेश ने बताया कि उनकी टीम को शनिवार रात को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि संदिग्ध किस्म दो युवक एक बुलेट बाइक पर सवार होकर छोटू राम चौक की ओर से गंदा नाला पटरी होते हुए सेक्टर 11/12 एसडीवीएम स्कूल की तरफ आ रहे हैं। बाइक चोरी होने की

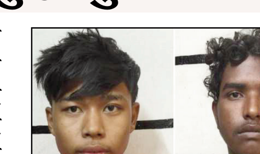

संभावना है। सूचना को पुख्ता मानकर पुलिस टीम ने एसडीवीएम स्कूल के नजदीक गंदा नाला पुलिया पर नाकाबंदी शुरू कर दी। टीम को कुछ देर पश्चात दो युवक छोटू राम चौक की और से एक बुलेट बाइक पर आते हुए दिखाई दिए। पास आने पर पुलिस टीम ने इशारा कर बाइक को रुकवाया। पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान रियान निवासी भगत सिंह कॉलोनी व मोहिद निवासी नवीन कॉलोनी के रूप में बताई। बाइक के कागजात मांगने पर दोनों युवक बहाने बाजी करने लगे। टीम ने गहनता से पूछताछ की तो आरोपियों ने उक्त बाइक 10 दिसंबर को मित्तल मैगा माल की पार्किंग से चोरी करना स्वीकारा। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया वह दोनों दोस्त हैं। उन दोनों को बुलेट बाइक चलाने का शौक है। दोनों ने मिलकर बुलेट बाइक चलाने का शौक पूरा करने के लिए उक्त बुलेट बाइक चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बुलेट बाइक बरामद कर पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया।

सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होते ही मधुमेह और मोटापे की दवाएं होंगी सस्ती

दवाओं में 80 फीसदी तक कटौती की संभावना

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में टाइप-2 मधुमेह की प्रमुख दवा सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भारत में इसकी जेनेरिक दवाओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे दवा की कीमत में लगभग 80 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इस बदलाव से मधुमेह और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज अधिक सस्ता और सुलभ हो जाएगा। जीएलपी-1 दवाओं का बाजार तेज़ी से बढ़ रहा है। फार्माट्रैक के एक अधिकारी के अनुसार शुरुआती उच्च कीमतों के कारण यह बाजार 1,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन पेटेंट खत्म होने के बाद कीमतें घटेंगी, जिससे कंपनियों की आमदनी पर असर और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, मैनकाइंड फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियां पहले से ही सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण के लिए तैयारी कर रही हैं। देश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से मरीजों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन जीएलपी-1 दवाओं के साइड इफेक्ट जैसे मतली, उल्टी, दस्त, कब्ज और कुछ मामलों में बालों का झड़ना भी बढ़ सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिक मरीजों को दवा देने से उपचार बीच में छोड़ने की दर यानी ड्रॉपआउट बढ़ सकती है। शुरुआती मांग में उछाल कुछ महीनों में स्थिर हो सकता है। हालांकि, दवा की सस्ती कीमत से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा लेकिन कंपनियों को नई प्रतिस्पर्धा और बदलते खपत पैटर्न का सामना करना पड़ेगा।

कोरोना रेमेडीज़ आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

गुजरात स्थित फार्मास्यूटिकल कंपनी कोरोना रेमेडीज़ के शेयर सोमवार को बाजार में गिरावट के बावजूद मजबूती के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर शेयर 1,452 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ की अपर प्राइस 1,062 रुपये से 36 फीसदी अधिक है। वहीं एनएसई पर शेयर 1,470 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ प्राइस से 38 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयर लगभग 2 फीसदी नीचे कारोबार कर रहे थे। लिस्टिंग से पहले कंपनी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में 1,404.5 रुपये पर कोट किए जा रहे थे।

इससे अनुमान लगाया जा रहा था कि आईपीओ प्राइस के मुकाबले ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 32 फीसदी रहेगा। लिस्टिंग के परिणाम ने इस अनुमान को पार करते हुए निवेशकों को उत्साहित किया। कोरोना रेमेडीज़ के आईपीओ के लिए निवेशकों का उत्साह अत्यधिक देखा गया। इश्यू अंतिम दिन कुल 144.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने 6.2 लाख शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 655.3 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था।

मारुति का भारत में ईवी योजना के लिए स्थानीयकरण पर जोर

– कंपनी अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी ई-वीटारा, पेश करेगी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अगले कुछ वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बैटरी उत्पादन और अन्य महत्वपूर्ण घटकों के स्थानीयकरण की योजना बना रही है। कंपनी फिलहाल बैटरियों का आयात करती है, लेकिन कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इसे चरणबद्ध तरीके से देश में तैयार करने की संभावना है। इस कदम से कंपनी भारत में ईवी निर्माण क्षमता बढ़ाने और स्थानीय उत्पादन को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है। एमएसआई अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी, ई-वीटारा पेश करने वाली है। इसके साथ ही ई-वीटारा का निर्यात भी शुरू हो चुका है, और अब तक 10,000 इकाइयाँ 26 देशों में भेजी जा चुकी हैं। कंपनी का लक्ष्य ईवी पोर्टफोलियो में आने वाले वर्षों में और भी मॉडल शामिल करना है। अधिकारी ने कहा कि भारत में ईवी की लोकप्रियता तभी बढ़ेगी जब ग्राहक इसे मुख्य वाहन के रूप में अपनाने के लिए भरोसा महसूस करें। वर्तमान में अधिकांश खरीदार ईवी का उपयोग अतिरिक्त वाहन के रूप में कर रहे हैं। ड्राइविंग रेंज और शुरुआती उत्पादों के अनुभवों ने ग्राहकों में नकारात्मक धारणाएँ उत्पन्न की हैं। एमएसआई का लक्ष्य 2029-30 तक अपने उत्पाद खंड में 5 ईवी मॉडल शामिल करना है। इसके अलावा कंपनी डीलर पार्टनर और चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटर के साथ साझेदारी में लगभग 1 लाख चार्जिंग स्टेशन 2030 तक स्थापित करना चाहती है। इस पहल से कंपनी ईवी क्षेत्र में नेतृत्व स्थिति हासिल करने और देश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

सर्दियों के उड़ान शेड्यूल में इंडिगो आगे, एयरइंडिया समूह पीछे

- अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या में बड़ा बदलाव, बाजार हिस्सेदारी में भी उलटफेर

नई दिल्ली । इस सर्दियों के उड़ान शेड्यूल (अक्टूबर से मार्च) में भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या के मामले में एयरइंडिया समूह को पीछे छोड़ दिया है। एक वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेज़ी से विस्तार किया है, जबकि एयरइंडिया समूह को घरेलू और संचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के मुताबिक, इस सर्दियों में इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या 14.5 प्रतिशत बढ़कर 44,035 हो गई है। पिछली सर्दियों में यह आंकड़ा 38,481 था। साथ ही इंडिगो ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीटों की संख्या 74 लाख से बढ़ाकर 86 लाख कर दी है। इसके चलते भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। एयरइंडिया और एयर इंडियन एक्सप्रेस को मिलाकर बने एयरइंडिया समूह ने इस सर्दियों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 9 प्रतिशत से अधिक की कटौती की है। पिछले साल जहां समूह की 45,958 उड़ानें थीं, वहीं इस बार यह संख्या घटकर 41,626 रह गई है। सीटों के मामले में भी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सर्दियों में 92 लाख सीटों के मुकाबले इस बार यह संख्या घटकर 83 लाख रह गई है, जिससे समूह की बाजार हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, पर्याप्त पायलटों के बिना तेजी से विस्तार और नए फ्लाइट ड्यूटी नियम एयरइंडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत विदेशी एयरलाइनों को व्यस्त भारतीय रूट्स पर सीमित अनुमति मिलने से घरेलू एयरलाइनों को फायदा हुआ है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि इससे प्रतिस्पर्धा और यात्रियों के विकल्प सीमित हो सकते हैं। इस सर्दियों में कई विदेशी एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें घटाई हैं। वहीं, भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने सबसे तेज़ बढ़त दर्ज की है, हालांकि बड़े विमानों की कमी के कारण वह लंबी दूरी के रूट्स पर उड़ानें नहीं चला पा रही है।

रुपए की कमजोरी और चिप संकट से टीवी महंगे होने की संभावना

रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ी

मुंबई । नए साल से टीवी की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ गई है। रुपए ने हाल ही में पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार किया है। टीवी के प्रमुख कंपोनेंट जैसे ओपन सेल, सेमीकंडक्टर चिप और मदरबोर्ड बड़े पैमाने पर आयात होते हैं। इसलिए रुपये की कमजोरी सीधे टीवी की कीमतों पर असर डाल रही है। दुनियाभर में मेमोरी चिप की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं। एआई सर्वर्स की बढ़ती मांग के कारण ड्रम और फ्लैश मेमोरी की आपूर्ति टीवी और पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सीमित हो गई है। कंपनियां मुनाफे वाले एआई चिप्स पर फोकस कर रही हैं, जिससे सप्लाई और कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार एलईडी टीवी के दाम 3-4 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। वहीं सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार कुछ ब्रांड्स में 7-10 फीसदी तक की बढ़ोतरी संभव है। यदि टीवी की कीमत 50,000 रुपये है, तो यह बढ़ोतरी 1,500 से 5,000 रुपये तक हो सकती है। हाल ही में सरकार ने 32 इंच और उससे बड़े टीवी पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था, जिससे कीमतों में औसतन 4,500 रुपये की राहत मिली। लेकिन बढ़ती लागत और सप्लाई संकट के कारण यह राहत उपभोक्ताओं तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगी।

भारतीय म्यूचुअल फंड ने 25 सालों में बनाया 80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड

मुंबई । भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने नवंबर 2025 तक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इंडस्ट्री का एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि 2000 में यह केवल 1.03 लाख करोड़ रुपए था। यूटीआई का दबदबा उस समय 66 फीसदी था। 2020 से 2025 के बीच इंडस्ट्री ने लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की। फोलियो की संख्या मई 2021 में 10 करोड़ थी, जो नवंबर 2025 तक बढ़कर 25.86 करोड़ हो गई। निवेशक अब अधिकतर इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। एसआईपी ने निवेश को नियमित आदत में बदल दिया है, जिससे बाजार में स्थिर पूंजी प्रवाह बना हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने निवेश प्रक्रिया आसान कर दी है, जिससे छोटे शहरों और गांवों के निवेशक भी शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा भारतीय शेयर बाजार का लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ा रहा है।

भारतीय पर्यटक सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च करने वालों में शामिल

- 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए

सिंगापुर ।

सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.40 फीसदी अधिक है। एक बिजनेस एसोसिएशन के मुताबिक भारतीय यात्री सिंगापुर के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में शामिल हैं। औसतन 6.3 दिन तक ठहरने वाले ये पर्यटक खुदरा, भोजन, मनोरंजन, दर्शनीय स्थलों और आवास पर अधिक खर्च करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और इंडोनेशिया के पर्यटक भी सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर विलासिता खर्च में गिरावट देखी जा रही है। एसटीबी के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर 2025 तक भारतीय पर्यटकों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.6 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, सिंगापुर में इस अवधि में 1425 लाख पर्यटक आए, जिनमें 2.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

भारतीय उपभोक्ता सबसे आशावादी, वैश्विक संघर्षों का कम असर

नई दिल्ली । भारतीय उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत आर्थिक वृद्धि से प्रभावित होकर पूरे वर्ष स्थिर रहा। बीसीजी की नवीनतम ग्लोबल कंज्यूमर रडार रिपोर्ट के अनुसार 61 प्रतिशत भारतीय लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखते हैं। यह उन्हें दुनिया के सबसे आशावादी बाजारों में शामिल करता है। रिपोर्ट में बताया गया कि केवल 17 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता मानते हैं कि हाल के वैश्विक राजनीतिक संघर्ष या घटनाएं देश की वृद्धि को धीमा करेंगी। यह चीन के बाद सबसे कम आंकड़ा है। इसके विपरीत, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में 60 प्रतिशत से अधिक लोग आर्थिक मंदी की आशंका जताते हैं। रिपोर्ट में विकसित देशों (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान) और विकासशील देशों (भारत, चीन, मैक्सिको, ब्राजील) को शामिल किया गया। भारत में 34 प्रतिशत उपभोक्ता बेरोजगारी या मंदी की चिंता करते हैं। कुल मिलाकर, भारत चीन के बाद दूसरा सबसे आशावादी बाजार है और वैश्विक औसत -12 प्रतिशत से काफी ऊपर बना हुआ है।

थोक मूल्य मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से नीचे, खाद्य और ईंधन सस्ते

- नवंबर 2025 में डब्ल्यूपीआई -0.32 फीसदी दर्ज, लगातार दूसरा महीना नकारात्मक रहा

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) -0.32 फीसदी दर्ज की गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब थोक मुद्रास्फीति शून्य से नीचे रही। अक्टूबर में यह -1.21 फीसदी थी। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट मुख्य कारण रही। नवंबर में खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति -2.60 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह -5.04 फीसदी थी। प्याज के दाम सालाना आधार पर 64.70 फीसदी, आलू 36 फीसदी, सब्जियों 20.23 फीसदी और दालों 15.21 फीसदी घटे। गेहूं, धान और फलों की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। ईंधन की कीमतों में भी कमी रही। कच्चे तेल के दाम 13.92 फीसदी, रसोई गैस 12.78 फीसदी, पेट्रोल 1.75 फीसदी और डीजल 1.64 फीसदी सस्ते हुए। अन्य वस्तुओं की कीमतें या तो स्थिर रहीं या वृद्धि दर धीमी रही। खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) दिसंबर में 0.71 फीसदी रही, जो संकेत देती है कि आम जनता के लिए महंगाई भी नियंत्रण में है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की मुद्रास्फीति का अनुमान 2 फीसदी कर दिया है। तीसरी तिमाही में 0.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 2.9 रहने की संभावना है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति क्रमशः 3.9 और 4 फीसदी रहने की उम्मीद है। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों कम रही। यह स्थिति उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है, लेकिन विशेषज्ञ अगले वित्त वर्ष में वैश्विक कीमतों और मांग के आधार पर मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना भी जताते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 54, निफ्टी 19 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 54.30 अंक टूटकर 85,213.36 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 19.65 अंक नीचे आकर 26,027.30 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं 14 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 22 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं बची हुई 27 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं रहा।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.37 फीसदी की बढ़त लेकर बंद हुए और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.92 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ट्रेंट के शेयर 1.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.68 फीसदी, इंफोसिस 0.57 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.53 फीसदी, टाटा स्टील 0.52 फीसदी, टीसीएस 0.42 फीसदी, एलएंडटी 0.40 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.37फीसदी। वहीं दूसरी ओर, सोमवार को मारुति सुजुकी के शेयर 0.89 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.81 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.75 फीसदी, टाइटन 0.64 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.56 फीसदी, भारती एयरटेल 0.54 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.53 फीसदी, पावरग्रिड 0.53फीसदी, एनटीपीसी 0.37 फीसदी।

इससे पहले आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कमजोरी के साथ 84,891 अंक पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बढ़ता गया, जिससे इंडेक्स और नीचे फिसल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 363.30 अंक की गिरावट के साथ 84,904.36 अंक पर कारोबार करता नजर आया। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में दबाव का असर सेंसेक्स पर साफ दिखाई दिया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 25,930 अंक पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें और कमजोरी आई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सीमित दबाव देखने को मिला।

एशियाई बाजारों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट में पिछले सप्ताह के अंत में आई कमजोरी का असर इन बाजारों पर पड़ा। निवेशकों ने एआई आधारित तेजी से कुछ समय के लिए दूरी बना ली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.16 फीसदी टूट गया, जापान का निक्केई 225 में 1.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.66 फीसदी फिसल गया।

अमेरिका में भी कमजोरी- अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। निवेशकों ने टेक्नोलॉजी शेयरों से पैसा निकालकर अन्य सेक्टरों में लगाया। इससे एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

वेकफिट इनोवेशंस के आईपीओ की सुस्त लिस्टिंग

- 195 रुपए पर सपाट लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली । होम और स्लीप सॉल्यूशन प्रोवाइडर वेकफिट इनोवेशंस का आईपीओ सोमवार 15 दिसंबर को सूचीबद्ध हुआ। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने कुल 1,288.89 करोड़ जुटाए, जिसमें 1.93 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू 377.18 करोड़ रुपए और 4.68 करोड़ शेयरों के ओएफएस से 911.71 करोड़ रुपए शामिल थे। प्राइस बैंड 185-195 रुपए रखा गया था और लॉट साइज 76 शेयर थी। आईपीओ करीब 2.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 195 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर 194.10 रुपए पर खुले। यह प्रदर्शन अपेक्षाकृत सुस्त रहा। डेब्यू से पहले डी-स्ट्रीट पर अनलिस्टेड शेयर 199 रुपए के भाव पर कोट थे, जिससे जीएमपी 4 रुपए प्रति शेयर या लगभग 2.05 फीसदी था। लिस्टिंग ग्रे मार्केट अनुमानों से थोड़ी कम रही।

कवच 4.0 रेल सुरक्षा प्रणाली विकसित करने नोवा और टाटा एलेक्सी ने की साझेदारी

– कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

नोवा कंट्रोल टेक्नॉलजिक्स, ईटुई ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की डीपटेक क्षेत्र की सहायक कंपनी, और टाटा एलेक्सी ने मिलकर भारत की स्वदेशी स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 की अगली पीढ़ी विकसित करने का निर्णय लिया है। इस साझेदारी के तहत नोवा प्राथमिक ओईएम के रूप में विनिर्माण, परीक्षण और एकीकरण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि टाटा एलेक्सी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, सुरक्षा प्रमाणन और साइबर सुरक्षा इंजीनियरिंग का नेतृत्व करेगी। नोवा के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख है। प्रारंभिक रूप से भारतीय रेलवे के लगभग 40,000 किलोमीटर नेटवर्क में इसे लागू किया जाएगा। प्रत्येक रेल इंजन के लिए शुरुआती निवेश 70-80 लाख रुपए होगा। इसके चलते चरण-1 के लिए कुल निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। परियोजना का कार्यान्वयन अगले 6-7 वर्षों में पूरा होने की संभावना है। कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे निर्यात बाजार को भी लक्षित कर रही हैं, जिससे भविष्य में कारोबार में वृद्धि की संभावना है। टाटा एलेक्सी के प्रमुख ने बताया कि कवच 4.0 का डिज़ाइन इस तरह से किया जा रहा है कि भविष्य में कवच 5.0, जिसमें साइबर सुरक्षा और मूविंग ब्लॉक जैसी सुविधाएँ होंगी, आसानी से जोड़ी जा सके। 2013-14 में भारतीय रेलवे द्वारा सुरक्षा पर खर्च 39,463 करोड़ था, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। इस परियोजना से भारतीय रेलवे के सुरक्षा नेटवर्क को आधुनिक और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.75 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया कमजोर हो गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सुबह 90.53 पर खुला और गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े स्पष्ट संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे बाजार में सतर्कता बनी हुई है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 90.49 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.35 पर रहा।

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की ह्यचमत्कार करने वालीह्ण संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफर अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

संपादकीय

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।

रुपया गिरते-गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा-15.4 प्रतिशत-कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना-टेक (क्राउल-लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मयार्दा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मयार्दा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मायार्दा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मयार्दा का उल्लंघन करने वाला और मयार्दा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मयार्दा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरूआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवास के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था।

तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुहतोड जवाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस हमले से पकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पश्चिम और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पश्चिम से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुई और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरूआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था।

आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। यह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभूत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।

(लेखक पत्रकार हैं)

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

अजीत लाड़

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब 'अजेय किले' माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर 'सुशासन', 'भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन' और 'विकास बनाम वैचारिक जड़ता' जैसे नैरेटिव के जरिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को 'राजनीतिक परिपक्वता' और 'सांप्रदायिक सौहार्द' का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के जरिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब 'छोटे चुनाव' नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और

क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह 'सेमीफाइनल' दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बढ़ी हिंसा-उम्मीदवार पर गोलीबारी, चुनाव आयोग ने शीर्ष अधिकारियों के लिए मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच चुनाव आयोग ने अपने शीर्ष अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। चुनाव आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त, अन्य आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे पुलिस सुरक्षा और अतिरिक्त एस्कॉर्ट वाहन की मांग की है। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल के जुलाई आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी को ढाका में गोली मार दी गई। वह अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहे थे, तभी उन पर नजदीक से हमला हुआ। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद दो जिलों, लक्ष्मीपुर और पिरोजपुर, में उसके दफ्तरों पर भी हमले हुए हैं। इसके चलते आयोग ने देशभर में अपने क्षेत्रीय, जिला और उप-जिला कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है, क्योंकि वहां चुनाव से जुड़े अहम दस्तावेज और सामग्री रखी जानी है। अंतरिम सरकार ने हालात को देखते हुए देशभर में ऑपरेशन डेविल हंट-2 शुरू किया है। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस देने का भी आश्वासन दिया गया है। वहीं विपक्षी दल बीएनपी ने सभी उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमले के दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यूक्रेन युद्ध में सबसे खतरनाक काम करते थे उत्तर कोरियाई सैनिक, तानाशाह किम जोंग ने खुद कबूला

प्योंगयांग, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी ने एक वक्त पर जमकर सुर्खियां बटोरीं थीं। अब इन सैनिकों के बारे में उनके तानाशाह ने खुलासा किया है कि इन्होंने कैसे युद्ध क्षेत्र का सबसे मुश्किल काम किया। तानाशाह किम के मुताबिक इस साल की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यहां पर बारूदी सुरंगे हटाने का काम किया, जिसकी वजह से हजारों रूसी सैनिकों की जान बची। शनिवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया पर प्रसारित एक कार्यक्रम में किम जोंग उन ने रूस से वापस लौटे अपने इन सैनिकों की सराहना की। तानाशाह ने कहा, अगस्त से शुरू हुई 120 दिनों की तैनाती के दौरान हमारे सैनिकों ने अभूतपूर्व साहस दिखाया। चाहे अधिकारी हों या सैनिक सभी ने लगभग हर दिन अपनी कल्पना से परे मानसिक और शारीरिक दबावों पर काबू पाते हुए सामूहिक वीरता का परिचय दिया। बारूदी सुरंगे हटाने के काम के दौरान यह लोग अपने शहरों और गांवों को पत्र भी भेजते थे। किम ने आगे कहा, तीन महीने से भी कम समय में हमारे सैनिकों ने एक बड़े खतरनाक क्षेत्र को रूसी सेना के लिए पूरी तरह से सुरक्षित कर दिया। इसमें हमारे जिन भी सैनिकों की जान गई है। उनकी बहादुरी को हमेशा के लिए अमर बनाने के उद्देश्य से राज्य उनको सम्मान प्रदान करेगा। सरकारी मीडिया की तरफ से जारी की गई फोटोस में किम साफ तौर पर वापस आए सैनिकों को गले लगाते हुए देखे जा सकते हैं। इनमें से कुछ सैनिक घायल और व्हील चेयर पर भी दिखाई दिए। इससे पहले, उत्तर कोरिया शुरुआत से ही पुतिन की मदद के लिए कुर्स्क क्षेत्र में सैनिक भेज रहा है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इस युद्ध में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिक भेजे हैं। इसके बदले में रूस उसकी वित्तीय सहायता, सैन्य तकनीक, खाद्य सामग्री और ऊर्जा आपूर्ति में मदद कर रहा है। इसकी वजह से अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण अलग-थलग पड़े इस देश को अपने अभियान चलाने में मदद मिल रही है।

इमरान खान को डराने के लिए..., जनरल फैज हमीद की सजा पर सिंध के नेता ने कहा

इस्लामाबाद , एजेंसी। सिंध राष्ट्रवादी नेता शफी बुरफत ने पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा जनरल फैज हमीद को 14 साल की सजा सुनाए जाने की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे सैन्य ड्रामा करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सजा सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और राजनीतिक दबाव बनाने का एक षड्यंत्र है, खासकर इमरान खान जैसे नेताओं को डराने के लिए। बुरफत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीति में सैन्य दखल को और मजबूत करना है। उन्होंने 1971 के बंगाल नरसंहार और बलात्कार के मामले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की सेना पर आरोप लगाया कि उसने अपने उच्च अधिकारियों को कभी जवाबदेह नहीं ठहराया। बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य संलिप्तता के मामलों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की न्यायिक हत्या, बेनजीर भुट्टो की हत्या और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या में सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। साथ ही, बुरफत ने पाकिस्तान के सैन्य शासन को सिंध, बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना वैश्विक शक्तियों के लिए एक हथियार बन चुकी है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी; ब्राउन यूनिवर्सिटी में चलीं गोलियां, दो की मौत आठ घायल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और आठ लोग घायल हुए हैं। जांच अधिकारियों ने अभी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली मारी गई। इसके बाद आइवी लीग स्कूल ने शूटर अलर्ट जारी किया और छात्रों और स्टाफ से सुरक्षित जगह शरण लेने की अपील की। पुलिस ने तुरंत पीड़ितों की संख्या, उनकी हालत या गोलीबारी की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

यूनिवर्सिटी ने इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम से जारी किया अलर्ट : ब्राउन यूनिवर्सिटी के इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम के जरिए जारी अलर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और स्टाफ को बताया कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को भी दी गई है गोलीबारी की जानकारी : स्थानीय नेता जॉन गोंसाल्वेस ने कहा, हमें अभी भी इस बारे में जानकारी मिल रही है कि क्या हो रहा है। हमने लोगों से अपने खिड़की-दरवाजे बंद रखने और सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने घटना पर दुख जताया। रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी बारस और हॉली बिल्डिंग के पास हुई, जो एक सात मंजिला कॉम्प्लेक्स है, जिसमें यूनिवर्सिटी का स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और भौतिकी विभाग है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, बिल्डिंग में 100 से ज़्यादा लैबोरेटरी, दर्जनों क्लासरूम और ऑफिस हैं। जब गोलीबारी हुई, तब बिल्डिंग में इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षा चल रही थी। राष्ट्रपति ट्रंप को भी गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

काले कपड़ों में आया और बरसाने लगा गोलियां: अमेरिकी यूनिवर्सिटी गोलीकांड पर क्या बोले अधिकारी: प्रोविडेंस शहर , एजेंसी। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा, जो सोचा भी नहीं जा सकता था, वही हो गया है। प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि लोगों को अपने घरों या इमारतों के अंदर ही रहने को कहा गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के पास रहने वाले लोगों से खतरा खत्म होने तक बाहर न निकलने और आदेश खत्म होने तक घरों में ही रहने की अपील की। स्माइली ने कहा, हम संदिग्ध को पकड़ने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा एमा फेरारो इंजीनियरिंग बिल्डिंग की लॉबी में फाइनल प्रोजेक्ट पर काम कर रही थीं, तभी उन्होंने पूर्व दिशा से तेज आवाजें सुनीं। जब उन्हें समझ आया कि ये गोलियों की आवाज है, तो वह दरवाजे की ओर भागीं और पास की एक इमारत में चली गईं, जहां उन्होंने कुछ घंटों तक इंतजार किया।

अस्पताल की प्रवक्ता केली ब्रेनन के मुताबिक, गोली लगने से घायल आठ लोगों को रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। इनमें से छह की हालत गंभीर है, लेकिन स्थिर है। एक अन्य की हालत गंभीर है और एक की हालत स्थिर बताई गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और कर्मचारियों से कहा था कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में बताया कि ऐसा नहीं है। मेयर ने कहा कि शुरू में एक व्यक्ति को इस गतिविधि में शामिल समझकर रोका गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि उसका इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

गोलीबारी के करीब पांच घंटे बाद टैक्टिकल गियर पहने पुलिसकर्मियों ने परिसर की इमारतों से कुछ छात्रों को बाहर निकालकर एक फिटनेस केंद्र में पहुंचाया। यह गोलीबारी बारस और हॉली इमारत में हुई, जो सात मंजिला परिसर है और जिसमें इंजीनियरिंग स्कूल और भौतिकी विभाग स्थित हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, इस इमारत में 100 से ज्यादा प्रयोगशालाएं, दर्जनों कक्षाएं और कार्यालय हैं।

75 साल की दोस्ती को नया आयाम, भारतीय राजदूत बोले- रिश्तों को नए स्तर पर ले जाने का अवसर

अम्मान , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 और 16 दिसंबर को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह उनका जॉर्डन का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। इस दौरे को भारत और जॉर्डन के बीच रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर जॉर्डन में भारत के राजदूत मनीष चौहान ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के साथ-साथ रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाने का अवसर है।उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। चौहान ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और इस वर्ष की सबसे यादगार घटनाओं में से एक होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसंबर को जॉर्डन पहुंचेंगे और 16 दिसंबर तक वहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा दौरा है।

2018 में जॉर्डन गए थे पीएम मोदी, लेकिन : बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 2018 में जॉर्डन सिर्फ ट्रांजिट (रुकते हुए) आए थे। यह यात्रा जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर हो रही है। राजदूत ने कहा कि यह दौरा भारत-जॉर्डन संबंधों और पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। इस दौरान दोनों देश न

सिर्फ अब तक की मजबूत दोस्ती पर चर्चा करेंगे, बल्कि भविष्य में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी बात करेंगे।

जॉर्डन में पीएम मोदी की कार्यक्रम : राजदूत चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। वे जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारतङ्जॉर्डन बिजनेस इवेंट को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और जॉर्डन के रिश्ते हमेशा से दोस्ताना और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छा तालमेल है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इमिग्रेशन रेड्स से बचने के लिए छात्रों ने निकाला जुगाड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो के छात्र ट्रंप सरकार की इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट करने में जुटे हैं। दरअसल ये छात्र एक गूगल मैप अपडेट कर रहे हैं, जहां हर लाल पिन कैंपस और आसपास के इलाकों में फेडरल इमिग्रेशन एजेंट्स की साइटिंग को दिखाता है। इससे लोगों को रियल टाइम में पता चल जाता है कि कैंपस के किस इलाके में इमीग्रेशन की रेड चल रही है या फिर सरकारी एजेंट मौजूद हैं।

ट्रंप की प्रेसिडेंसी में नया रोल : ये युवा छात्र और पत्रकार इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट कर रहे हैं। उनका मकसद ऑनलाइन अफवाहों को फैक्ट्स से चुनौती देना और लोगों को उन इलाकों का मैप देना है जहां एजेंट्स ज्यादा सक्रिय हैं, ताकि हाल के महीनों में फैली दहशत कम हो। ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद उनकी सरकार ने बड़े इमिग्रेंट समुदायों वाले शहरों में आक्रामक स्वीप्स शुरू किए, ताकि गैरकानूनी रहने वालों को डिपोर्ट करने का कैंपेन वादा पूरा हो सके। शिकागो इसमें प्रमुख शहर है। डीएचएस का कहना है कि वे हिंसक अपराधियों को टारगेट कर रहे हैं, और अब तक 4,300 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एक स्पोक्सपर्सन ने कहा, हमारे प्रयास जारी हैं, हम शिकागो को नहीं छोड़ रहे। ऑपरेशन से पहले ही विश्वविद्यालय कैंपस पर अफवाहें फैल चुकी थीं। महीनों पहले यूएस सेंसस ब्यूरो का एक व्यक्ति डॉर्म में आया, तो झूठी खबर फैली कि आईसीई आ गया। छात्रों ने द फीनिक्स स्टाफ से पूछा कि क्या ये सच है। लोयोला यूनिवर्सिटी लंबे समय से गैरकानूनी इमिग्रेंट्स को जगह देती रही है, खासकर डाका छात्रों को जो बच्चे के रूप में अमेरिका आए। ये यूनिवर्सिटी का सोशल जस्टिस मिशन है। अक्टूबर की शुरुआत में दो छात्रों ने गूगल मैप शुरू किया। इसमें रियल टाइम में हर पिन फोटो, टाइमस्टैम्प्ड वीडियो या कई गवाहों से वेरिफाई की जाती है। ये पिन्स लोगों को बताते हैं कि एजेंट्स कहां इकट्ठा हो रहे हैं। मसलन नोट्स में डिटेल्स कुछ ऐसे होते हैं, 12 अक्टूबर को वेस्ट नॉर्थ शोर एवेन्यू पर आर्म्ड एजेंट्स स्पॉट हुए, 21 अक्टूबर को नॉर्थ लिंकन एवेन्यू होम डिपो पर गिरफ्तारी हुई। डीएचएस ने इनकी पुष्टि की है।

महिला बनती है दूल्हा, पार्टी भी असली; पाकिस्तान में युवा कर रहे हैं फेक वेडिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों फेक वेडिंग (नकली शादी) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा संगठित सामाजिक कार्यक्रम है जो लोगों को शादी से जुड़ी आजीवन प्रतिबद्धता या पारिवारिक दबावों के बिना शानदार जश्न मनाने और सामाजिक मेलजोल का मौका देता है। पहली नजर में, शादी का मंच आम पाकिस्तानी मेहंदी जैसा दिखता है। गेंदे के फूलों से सजा, दूल्हा-दुल्हन के बैठने की जगह चमकीले पीले रंगों से सजी हुई दिखती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूल्हा एक महिला होती है। यह समलैंगिक विवाह नहीं, बल्कि एक फेक वेडिंग है, जो युवाओं को सामाजिक दबाव से मुक्त होकर एक शानदार रात का आनंद लेने का अवसर देती है। 2023 से यह चलन जोर पकड़ रहा है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ

मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा 2023 में आयोजित एक फेक वेडिंग को राष्ट्रीय और वैश्विक मीडिया पर काफी ध्यान मिलने के बाद इस तरह के आयोजनों की लोकप्रियता बढ़ गई थी। हालांकि इस ट्रेंड की लोकप्रियता युवाओं और प्रभावशाली लोगों के बीच बढ़ी, लेकिन मीडिया कवरेज के कारण इसे ऑनलाइन काफी आलोचना और विरोध का सामना भी करना पड़ा। एलयूएमएस छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष सैराम एच. मिरान ने डॉयचे वेले को बताया कि घटना के फुटेज वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों को ऑनलाइन ट्रोल झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि मीडिया और लोग अक्सर एलयूएमएस को एक अभिजात्य विश्वविद्यालय के रूप में देखते हैं, जो वास्तविकता से कटा हुआ है जिसके कारण नकारात्मक खबरें अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए साप्ताहिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करता है और माना जाता था कि फेक वेडिंग समारोह, जश्न और मौज-मस्ती के लिए एक अधिक पारंपरिक और सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थान प्रदान करते हैं। हालांकि, आलोचना के बाद, छात्र परिषद और विश्वविद्यालय ने छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती। महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान समाज के दबाव या परिवार की निगरानी के बिना शादी के उत्सवों का आनंद लेना ही इन फेक वेडिंग कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण है। यह महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस दौरान पारंपरिक पाकिस्तानी शादी का मेहंदी समारोह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से महिलाओं को मेहंदी लगाया जाता है।

दक्षिण अफ्रीका मंदिर हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई चार, एक भारतीय भी शामिल; प्रशासन को जांच के आदेश

जोहानसबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में बीते शुक्रवार दोपहर को अहोबिलम टेंपल ऑफ प्रोटेक्शन के निर्माण स्थल पर हुए भीषण हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। वहीं अभी भी कई लोगों के मलबे में फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राहत और बचाव कर्मी पिछले दो दिनों से मलबे में दबे एक पांचवें शव को निकालने की कोशिश कर रहे थे।

हालांकि, शनिवार दोपहर खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को

रोकना पड़ा। तेज बारिश और खराब हालात के चलते मलबे में काम करना बेहद मुश्किल हो गया। बता दें कि पहले मीडिया रिपोर्टस में बताया गया था कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग मलबे में दबे हैं। ऐसे में जब ताजा अपडेट सामने आया तब इस बात की पुष्टि की गई कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर चार हो गई है। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल बता दें कि मंदिर एक ढलान वाली पहाड़ी पर बनाया जा रहा था और इसमें चट्टानों का इस्तेमाल किया गया था, जिन्हें भारत से लाया गया और निर्माण स्थल पर खुदाई की गई थी। मंदिर का डिजाइन गुफा जैसा था और इसे भगवान नरसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक के लिए बनाया जा रहा था। हादसे में मारे गए लोगों में से एक 52 वर्षीय भारतीय मूल के विक्की जैरज पांडे हैं, जो मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। पांडे पिछले दो साल से मंदिर निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल थे। मामले में रिएक्शन यूनिट साउथ अफ्रीका के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हुए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि हालात सामान्य होने के बाद फिर से तलाशी अभियान शुरू किया जाएगा। प्रशासन को मिले घटना के जांच के आदेश गौरतलब है कि इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नवाज शरीफ की 2017 में विदाई एक साजिश थी, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले- इसके पीछे फैज हमीद का हाथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद ही वर्ष 2017 में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सत्ता से हटाने के जिम्मेदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश थी, जिसे फैज हमीद की निगरानी में अंजाम दिया गया। सियालकोट में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि फैज हमीद को 15 महीने तक चले सैन्य ट्रायल के बाद 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है और उनके खिलाफ अभी और भी मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू होनी बाकी है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने कहा कि फैज हमीद के कृत्यों से देश को भारी नुकसान हुआ। आसिफ ने कहा कि नवाज शरीफ को सत्ता से हटाना, उनके खिलाफ मामले दर्ज करना, आरोप लगाना और फिर इमरान खान को सत्ता में लाना, यह सब प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा था, जिसे फैज हमीद चला रहे थे। उनके अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट की निगरानी फैज हमीद कर रहे थे। नवाज शरीफ, जो पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, जुलाई 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पद से हटाए गए थे। यह उनके राजनीतिक करियर के लिए बड़ा झटका था। नवाज शरीफ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख रहे हैं। फिलहाल उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री हैं और बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं।

फैज हमीद और इमरान खान ने देश को नुकसान पहुंचाया : रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि फैज हमीद और उनके साझेदार इमरान खान ने मिलकर देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई मामले चल रहे हैं। आसिफ ने कहा कि 2018 के आम चुनावों में इमरान खान की जीत भी प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा थी। उन्होंने आरोप लगाया कि फैज हमीद उस सरकार का सबसे अहम चेहरा थे और उन्होंने राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और जेल भेजने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुसार, इस पूरे दौर का सबसे बड़ा लाभ इमरान खान को मिला। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि फैज हमीद के कार्यकाल में संसद तक को निर्देश दिए जाते थे और देश के भविष्य से जुड़े फैसले प्रधानमंत्री आवास के पिछवाड़े में किए जाते थे। उन्होंने दावा किया कि फैज हमीद के तबादले के बाद उनका यह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे बिखरने लगा।

भारत के साथ सैन्य टकराव पर ख्वाजा आसिफ का दावा रक्षा मंत्री ने एक विवादास्पद बयान में कहा कि अगर फैज-इमरान गठजोड़ अब भी मौजूद होता, तो शायद भारत के साथ सैन्य टकराव की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि वे देश को भीतर से ही तबाह कर देते। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

सीरिया हमले में तीन अमेरिकियों की मौत, भड़के ट्रंप; कहा- आईएसआईएस से लेंगे बदला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया में हुए एक हमले के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अमेरिका इसका जवाब देगा। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई है। अमेरिका का आरोप है कि इस हमले के पीछे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस/आईएसआईएस) का हाथ है।

यह आईएसआईएस का हमला- ट्रंप : शनिवार को व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, यह आईएसआईएस का हमला है और हम इसका बदला जरूर लेंगे। वह इस दौरान आर्मी-नेवी फुटबॉल मैच देखने के लिए बाल्टीमोर रवाना हो रहे थे। ट्रंप ने हमले में मारे गए तीनों अमेरिकियों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए तीन अन्य अमेरिकी फिलहाल ठीक हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हम सीरिया में तीन महान अमेरिकी देशभक्तों, दो सैनिकों और एक नागरिक की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनकी हालत में अभी-अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह सीरिया के एक बेहद खतरनाक हिस्से में, जो पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं है, अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा इस हमले से बेहद नाराज और परेशान हैं। इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकियों पर कहां और कैसे हुआ हमला : जानकारी के मुताबिक, सीरिया के मध्य हिस्से में शनिवार को हुए एक हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और

एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई। इस हमले में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम के अनुसार, यह हमला इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के एक अकेले हमलावर ने घात लगाकर किया। यह हमला राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से हटने के एक साल बाद अमेरिकी बलों पर हुआ पहला घातक हमला है। यह हमला ऐतिहासिक शहर पालमायरा के पास हुआ। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के मुताबिक, हमले में सीरियाई सुरक्षा बलों के दो जवान और कुछ अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए। घायलों को हेलीकॉप्टर से इराक और जॉर्डन की सीमा के पास स्थित अल-तनफ सैन्य अड्डे पर ले जाया गया। साना ने बताया कि हमलावर को मार गिराया गया है। वहीं, ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दावा किया कि हमलावर सीरिया की सुरक्षा बलों से जुड़ा था। अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा- हेगसेथ अमेरिकी सेना ने कहा कि मृत सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाएगी। रक्षा विभाग की नीति के अनुसार, पहले उनके परिजनों को सूचना दी जाएगी, उसके 24 घंटे बाद नाम जारी किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर कहा, अगर आप दुनिया में कहीं भी अमेरिकियों को निशाना बनाते हैं, तो अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा। अमेरिका के सैकड़ों सैनिक पूर्वी सीरिया में तैनात हैं, जो आईएस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा हैं। पिछले महीने सीरिया भी औपचारिक रूप से इस गठबंधन में शामिल हुआ था। हालांकि आईएस को 2019 में सीरिया में सैन्य रूप से हरा दिया गया था, लेकिन उसके स्लीपर सेल अब भी हमले करते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सीरिया और इराक में अब भी आईएस के 5,000 से 7,000 लड़ाके मौजूद हैं। इससे पहले 2019 में मंनबिज शहर में हुए एक धमाके में दो अमेरिकी सैनिक और दो अमेरिकी नागरिक मारे गए थे।

ऑस्टियोपोरोसिस

केवल महिलाओं को नहीं होता है

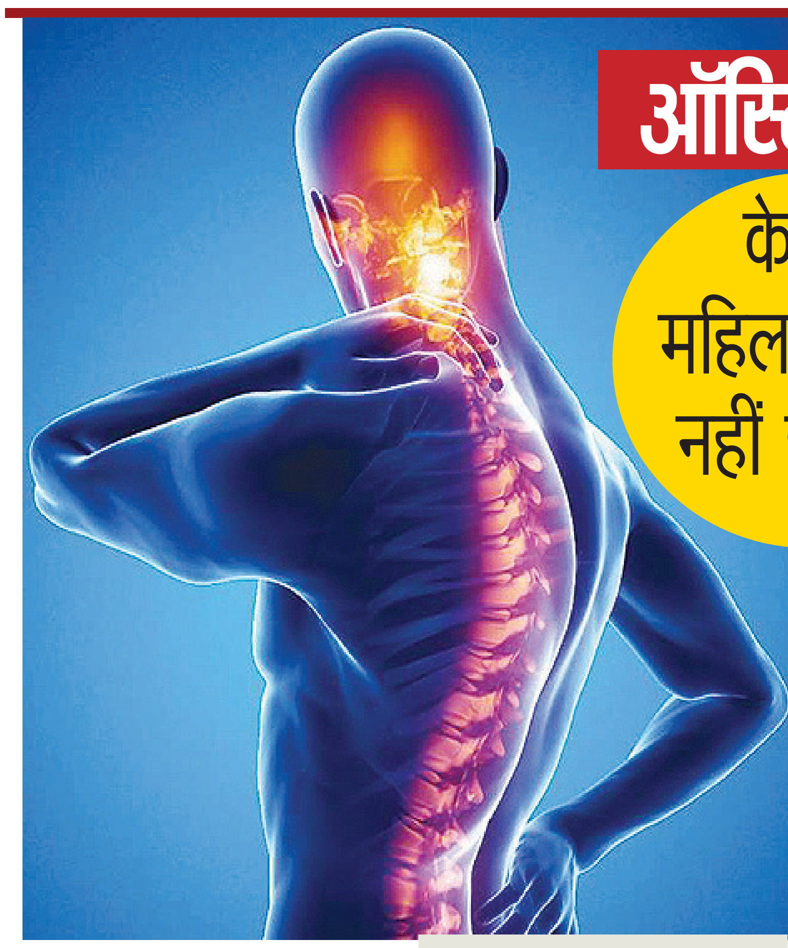

ऑस्टियोपोरोसिस (अस्थि–सुषिरता) में हड्डियां पतली हो जाती हैं, जिससे वे धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं, उनकी शक्ति समाप्त हो जाती है और सामान्य हड्डियों की तुलना में वे सरलता से टूट जाती हैं। यह रोग लाखों उम्र दराज महिलाओं और पुरुषों को होता है। महिलाओं के गिरने पर उनकी हड्डिया, टूटने के लिये दोगुनी प्रवण होती हैं, लेकिन ऑस्टियोपोरोसिस पुरुषों के लिए भी जोखिम भरा होता है, खासकर यदि वह 80 और 90 वर्ष की आयु में हो। ऑस्टियोपोरोसिस को अक्सर महिलाओं का रोग माना जाता है, इस कारण पुरुषों के संदर्भ में इस घातक रोग पर ध्यान नहीं दिया जाता है, लेकिन पुरूष भी इसके लिए प्रवण होते हैं। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के अनुसार, यह सच है कि वृद्ध पुरुषों को वृद्ध महिलाओं की तुलना में आधे फेक्चर होते हैं, लेकिन पुरुष इस रोग के कारण स्थायी विकलांगता के लिए अधिक प्रवण होते हैं और महिलाओं की तुलना में इस रोग से दोगुने पुरुषों की मृत्यु हो सकती है।

- स्वास्थ्यकर आहार लें, जिसमें पर्याप्त विटामिन 'डी' अच्छी वसा (विटामिन 'डी' वसा में घुल जाता है) और कैल्शियम हो। कैल्शियम और विटामिन 'डी' पूरक आहार के रूप में भी उपलब्ध हैं, लेकिन हालिया शोध बताता है कि आहार से खनिज और विटामिन लेने से समानता बेहतर होती है।
- नियमित व्यायाम और शरीर का भार उठाना। ऐसी गतिविधियों में तेज चलना, जॉगिंग और आउटडोर स्पोर्ट्स शामिल हो सकते हैं। बॉडी वेट एक्सरसाइज, जैसे पुश-अप, पुल-अप और लंबी कूद प्रत्येक सप्ताह में दो बार करना चाहिए, ताकि बड़ी मांसपेशियों की शक्ति बढ़े।
- दिनभर सक्रिय रहें। आलस्य वाली जीवनशैली तंदुरूस्ती की शत्रु है और तंदुरूस्ती में हड्डियों की मजबूती भी शामिल है।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का अत्यधिक सेवन न करें।
- हड्डी के घनत्व की नियमित जांच करवाएं।

अमोल नाइकावाडी

ऑस्टियोपोरोसिस कैसे होता है?

हमारे जीवनकाल में हड्डियों में बदलाव होते रहते हैं: पुरानी हड्डी की जगह नई हड्डी आ जाती है। और युवावस्था में शरीर हटने वाली हड्डी की जगह भरने के लिए ज्यादा हड्डी देता है, फिर हमारी हड्डिया विकसित होती हैं और मोटी हो जाती हैं और कंकाल बड़ा तथा मजबूत होता जाता है। हड्डी की वृद्धि और घनत्व जीवन के तीसरे दशक में चरम पर होता है। पुरूषों और महिलाओं, दोनों में हटने वाली हड्डी की दर नई हड्डी बनने की दर से धीरे-धीरे अधिक होती जाती है। 50 वर्ष की आयु के बाद पुरूषों में हड्डी जल्दी नहीं हटती है, जबकि महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद ऐसा होता है। इसका बड़ा कारण है गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान उनके शरीर में कैल्शियम की मात्रा कम होना। 65 वर्ष की आयु तक महिलाओं और पुरूषों, दोनों में समान दर से हड्डी की क्षति होती है और कैल्शियम तथा हड्डी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी अन्य खनिजों की स्थिति एक समान हो जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस का सीधा सम्बंध आयु से है और इसे 'शांत रोग' (साइलेंट डिजीज) कहा जाता है, क्योंकि इसका कोई लक्षण नहीं होता है, जब तक हड्डी न टूटे। यह बढ़ती आयु में होता है और बाद की अवस्थाओं में इससे कारण हड्डी की क्षति होती है। अपनी आयु के 7वें और 8वें दशक में पुरूष इसके लिए अधिक प्रवण होते हैं। यदि किसी को छोटी आयु में ऑस्टियोपोरोसिस होता है, तो इसका करण कैंसर या गुर्दे का खराब होना है। हालांकि, ऐसे कुछ कारक हैं, जिन पर नियंत्रण करने से हड्डी की भारी क्षति से बचा जा सकता है, जो प्राकृतिक रूप से होता है। महिलाओं की तुलना में पुरूषों में ऑस्टियोपोरोसिस पर कम शोध हुआ है, लेकिन यदि हर कोई कुछ रोकथामपरक उपाय करे, तो हड्डी की ताकत बनी रहेगी।

सर्दी में शरीर को नहीं मिल रहा विटामिन-डी? ये जादुई रेसिपी करेंगी काम

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। सहेतमंद रहने के लिए शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स की जरूरत होती है। भोजन से मिलने वाले इन सभी पोषक तत्वों के बावजूद सर्दियों में शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता। इस मौसम में लोगो के शरीर में विटामिन-डी की सबसे ज्यादा कमी होती है।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में खाने की कौन सी चीजें शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

- क्या आपने कभी टैंगो टुना सैंडविच के बारे में सुना है। यह सैंडविच शरीर में विटामिन-डी की कमी को आसानी से पूरा कर सकता है। इसे बनाने के लिए आटे की ब्रेड में लाल प्याज, खीरा, अंकुरित दाल और सेब का इस्तेमाल किया जाता है।
- चिकन में अगर कई तरह की चीजें मिलाकर उसका सलाद बनाया जाए तो इससे भी विटामिन-डी की कमी पूरी हो सकती है। इसके लिए आपको बॉइल चिकन में मशरूम, हरी सरसों, तिल के बीज और बॉयल्ड एग मिलाकर सलाद बनाना होगा।
- कई लोग बॉइल एग का येलो पार्ट अलग कर उसे खाते हैं। अंडे के इस हिस्से को यॉक कहा जाता है। शायद आपको पता नहीं, अंडे के इस भाग में हेल्दी फैट और कार्ब्स होता है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए काली और हरी बीन्स के साथ इसका सेवन कीजिए।
- शरीर में विटामिन-डी की कमी को पूरा करने के लिए एवोकैडो को अच्छा फल माना जाता है।

मूंगफली की चटनी

सामग्री

- मूंगफली - 100 ग्राम (भुनी हुई)
- हरी मिर्च- 2
- नमक- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- तेल- 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च- एक
- राई- चौथाई चम्मच।

विधि

सबसे पहले आप मूंगफली को जार में डाल दें उसके बाद हरी मिर्च, नमक, नींबू का रस, और थोड़ा-सा पानी डालकर उसे पीस लें। इसमें आप चाहें तो थोड़ी सी चने की दाल भी भूनकर डाल सकते है। फिर थोड़ा सा पानी डालकर उसे पतला पीस लें। अब इसे किसी कटोरे में निकालें। अब गैस पर फ्राई पैन रखकर उसमें तेल डालें। इसमें लाल मिर्च को आधा-आधा तोड़कर डाले और करी पत्ते को डालकर गैस बंद कर दें। इस तड़के को मूंगफली की चटनी में डालें और चटनी को चम्मच से मिला दें। मूंगफली की चटनी तैयार है।

करेले की सब्जी

सामग्री

- 4 करेला
- 6 करी पत्ता
- 1 चम्मच बनारसी राई
- 1 चम्मच लहसुन पेस्ट
- 1 चम्मच अमचूर
- 1 चम्मच गुड़
- 2 चम्मच वेजिटेबल ऑइल
- 2 चम्मच हरी मिर्च
- 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- 1 चम्मच इमली पेस्ट
- 1 चम्मच कसा हुआ अदरक
- 1 कटा हुआ प्याज
- आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- आधा चम्मच हल्दी

विधि

सबसे पहले करेले को फ्रेश पानी से धोकर अलग रख दें ताकि उसका सारा पानी सूख जाए। इसके बाद उसे गोलाई में काट लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, बनारसी राई, हरी मिर्च और करी पत्ता डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद उसमें कटा हुआ प्याज डाल दें। सुनहरा होने तक भूनते हुए इसमें धनिया, लहसुन, अदरक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और अमचूर पाउडर मिला दें। अब इसमें कुछ बूंदें पानी की डालते हुए अच्छे से चलाएं। अब कटे हुए करेलों को इस तैयार पेस्ट में डालते हुए उसमें स्वादानुसार नमक भी मिलाते हुए अच्छे से चलाएं। अब इस पेस्ट में इमली का पेस्ट डालकर 5 से 7 मिनट तक करेलों को पकने के लिए छोड़ दें। अब इस तैयार करेले के सब्जी में गुड़ डालकर उसे अच्छे से मिला लें। थोड़ी देर गैस पर रखने के बाद गैस बंद करके गरमा गर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2678

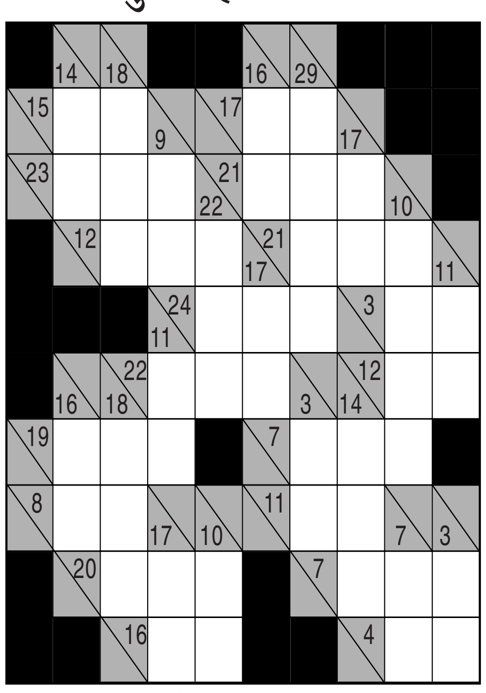

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

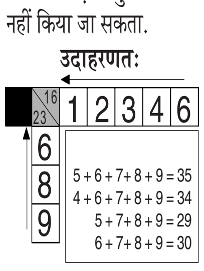

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2677 का हल

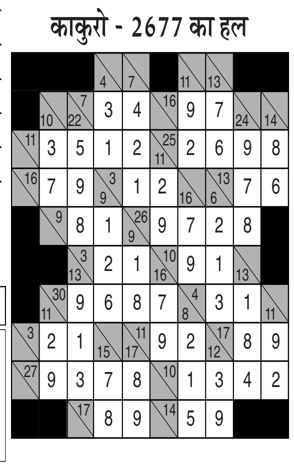

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'
'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.
'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.
'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?
रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

एक महिला ने अपनी सखी को बताया,'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'
'जी नहीं.'
'तुम्हारा नाम'
'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2678

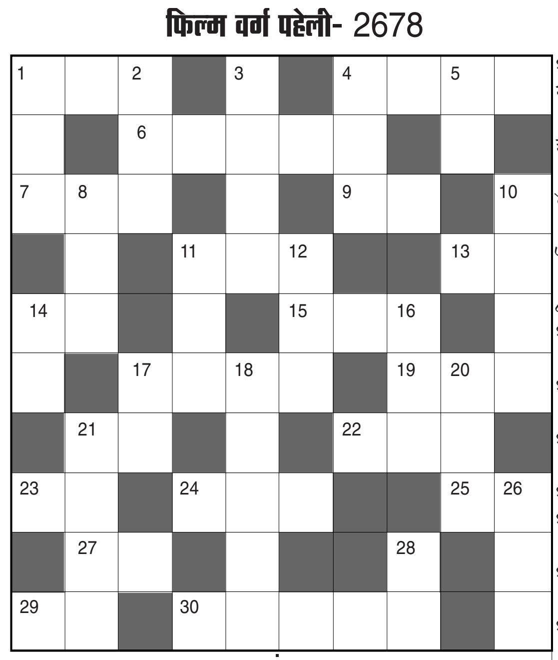

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2677

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -2678

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2677 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 2678

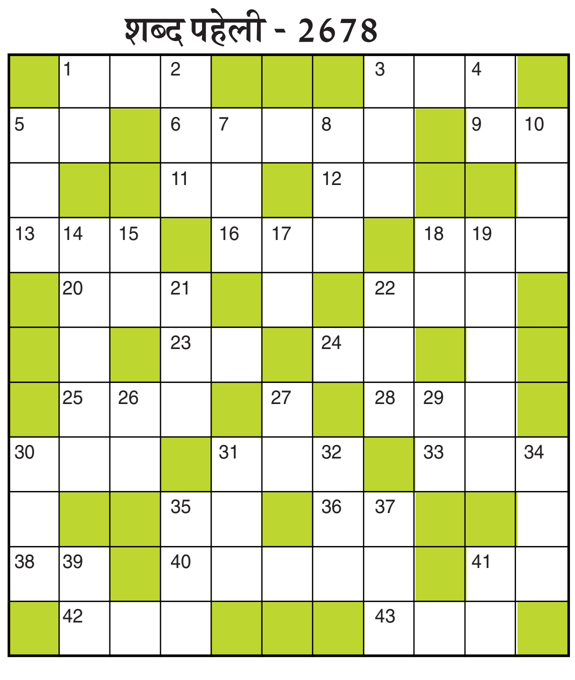

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2677 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	विं	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

आईजीएनसीए ने यूनेस्को मंच पर नाट्यशास्त्र की प्रासंगिकता पर बल दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) ने दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में एक अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किया। यह आयोजन 'नाट्यशास्त्रः सिद्धान्त और प्रयोग का संयोजन' शीर्षक के तहत किया गया। यह यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संरक्षण समिति के 20वें सत्र के दौरान हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्म विभूषण से सम्मानित विदुषी डॉ. सोनल मानसिंह ने की। इस मौके पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानन्द जोशी, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ संध्या पुरेचा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी, आईजीएनसीए के कलाकोश प्रभाग के अध्यक्ष प्रो सुधीर कुमार लाल तथा सह-आचार्य डॉ योगेश शर्मा जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों और संस्थानों के प्रमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर आईजीएनसीए मीडिया केन्द्र द्वारा निर्मित यूनेस्को के 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में नाट्यशास्त्र के अभिलेखन पर आधारित एक लघु फ़िल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे दर्शकों ने काफ़ी सराहा। डॉ सोनल ने नाट्यशास्त्र की प्रासंगिकता पर बताया कि समय और संस्कृतियों की सीमाओं को पार करते हुए, यह ग्रन्थ आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। इसमें समकालीन कला, सौन्दर्यबोध तथा सांस्कृतिक विमर्श को दिशा देने की अद्भुत क्षमता है।

केंद्रीय मंत्री जोशी से मिले मप्र के खाद्य मंत्री राजपूत, महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश की खाद्यान्न प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं तकनीक-संचालित बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर खाद्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी, आयुक्त कर्मवीर शर्मा एवं मप्र राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा भी उपस्थित थे।भेंट के दौरान खाद्य मंत्री राजपूत ने प्रदेश में खाद्यान्न उपार्जन, भंडारण, वितरण तथा गुणवत्ता सुधार से संबंधित नीतिगत एवं वित्तीय पहलुओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया और केंद्र सरकार के स्तर पर शीघ्र निर्णय की आवश्यकता वाले प्रमुख प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री जोशी से मध्य प्रदेश में वर्तमान विकेन्द्रीकृत उपार्जन व्यवस्था के स्थान पर केन्द्रीकृत प्रणाली लागू करने अथवा अनुमानित उपार्जन मात्रा के अनुरूप समर्थन मूल्य की एकमुश्त अग्रिम राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिससे किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके और राज्य पर वित्तीय दबाव कम हो।

राजस्थान के सीएम भजनलाल के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार को जन्मदिन है। पीएम मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी और लंबी उम्र की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वे राज्य की विकास यात्रा में तेजी लाने और युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र का आशीर्वाद दें।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वीरभूमि राजस्थान की विरासतों एवं संस्कृति के संरक्षण तथा प्रदेश में किसानों, महिलाओं, युवाओं के सशक्तिकरण से आप प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विश्वास' के मंत्र को चरितार्थ कर रहे हैं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना करता हूं।'

हिमाचल में प्रदेश मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग अब जोर पकड़ने लगी

ज्वालामुखी। हिमाचल प्रदेश में मंदिरों के प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने को लेकर बहस छिडी है। हिमाचल प्रदेश में भी हिमाचल प्रदेश मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग जोर पकड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश में हिन्दु सार्वजनिक संस्थान एवं पूर्व विन्यास अधिनियम के तहत मंदिरों का सरकार ने अधिग्रहण किया था। जिसका मकसद मंदिरों में व्यवस्था को पारदर्शी बनाना, व्यवस्था में सुधार लाकर श्रद्धालुओं के लिये बेहतर माहौल तैयार करने के अलावा पूजा पाठ में सुधार लाने की बात थी। लेकिन मंदिरों के लिये मौजूदा व्यवस्था दोषपूर्ण बताया जा रहा है। चूंकि मंदिरों में सरकारी दखल बढ़ता जा रहा है। हिमाचल में मंदिर आज पूजा पाठ नहीं,बल्कि राजनीति के अखाड़ा बनते जा रहे हैं। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के प्रबंधन ट्रस्ट बन रहे हैं, ऐसे लोग मनोनीत किये जा रहे हैं। जिनका सार्वजनिक जीवन में दूर तक कोई नाम नहीं है। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के बिना कोई पत्ता तक नहीं हिला सकता। मंदिरों के प्रबंधन के लिये बनाये गये ट्रस्ट में शामिल होने वाले लोगों के लिये भी कोई ठोस नीति नहीं है। कि किस आधार पर उनका चयन हो। हिमाचल प्रदेश के करीब 52 हिन्दू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। जिनका प्रबंधन सरकार देखती है। लेकिन अब इसी व्यवस्था का विरोध होने लगा है।

लैंड फॉर जॉब केस: 19 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई, CBI दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) से जुड़े बहुचर्चित सीबीआई मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया एक बार फिर टल गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 19 दिसंबर तय की है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी अदालत ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से अदालत यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन-कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक के लिए टाल दिया था। उस समय अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं, 8 दिसंबर को अदालत ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई द्वारा दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। जांच एजेंसी के अनुसार, रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन-देन नकद में हुए, जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय परिषद में उत्तर प्रदेश से मोदी, योगी व केशव प्रसाद मौर्य सहित 120 सदस्य निर्वाचित

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों को निर्वाचित घोषित किया है। इनमेंवाराणसी से नरेन्द्र मोदी, गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ और लखनऊ से राजनाथ सिंह के नाम शामिल हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भाजपा के संगठन पर्व कार्यक्रम के दौरानकेन्द्रीय पर्यवेक्षक पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों के नामों की भी घोषणा की है। इससे पहले गोयल ने केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश का पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, स्मृति ईरानी, पूर्व प्रदेश अध्यक्षों में भूपेन्द्र चौधरी, डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय, स्वतंत्रदेव सिंह, सूर्य प्रताप शाही व डॉ. रमापतिराम त्रिपाठी का नाम शामिल है। इसके अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विनोद सोनकर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रमाशंकर कठेरिया, प्रियंका रावत, रमा?पति शास्त्री, मुकुट बिहारी, विद्या सागर सोनकर, सत्यदेव पचौरी, राजरानी रावत, लल्लू सिंह व संगम लाल गुप्ता को भी राष्ट्रीय परिषद का सदस्य नामित किया गया। इसके साथ अम्बेडकर नगर के पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव, अमेठी के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव, चंदौली से शिवनाथ यादव और कुशीनगर से संतराज यादव को भी शामिल किया गया है।

उप राष्ट्रपति ने सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार के सम्मान में स्मारक डाक टिकट किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति एन्क्लेव में सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। ?इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित थे। सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि यह कदम गुमनाम तमिल राजाओं और स्वतंत्रता सेनानियों को मान्यता देने के केंद्र सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कई स्थानों पर मिले शिलालेख सम्राट के मंदिर दान, सिंचाई कार्यों और तमिल साहित्य में योगदान की गवाही देते हैं। सम्राट मुथरैयार का शासनकाल दक्षिण भारतीय इतिहास में विशिष्ट स्थान रखता है।

उप राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के साल 2047 तक विकसित भारत के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत और महान नेताओं की धरोहर का दस्तावेजीकरण, सम्मान और संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। साल 2014 से अब तक लगभग 642 चोरी हुई मूर्तियां और प्राचीन वस्तुएं बरामद की जा चुकी हैं, जिनमें से कई तमिलनाडु से जुड़ी हैं।

उल्लेखनीय है कि सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथरैयार द्वितीय (सुवरन मारन) प्राचीन तमिलनाडु के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक थे और गौरवशाली मुथरैयार वंश से संबंधित थे। उन्होंने 7वीं और 9वीं शताब्दी ईस्वी के बीच तमिलनाडु के मध्य क्षेत्रों पर शासन किया, जिसमें तिरुचिरापल्ली उनका केंद्र था।

सूरत में 'हीराबा खमकार योजना' के तहत 1100 जरूरतमंद बेटियों को मिला शिक्षा सहयोग

एजेंसी

सूरत। गुजरात के सूरत में बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'हीराबा खमकार योजना' के अंतर्गत चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जहां 1100 जरूरतमंद बेटियों को शिक्षा सहयोग दिया गया वहीं इसका लक्ष्य 21 हजार बेटियों तक सहायता पहुंचाना निर्धारित किया गया है।

यह कार्यक्रम वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में सम्मानित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। उद्योगपति पीयूष देसाई द्वारा शुरू की गई यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता स्वर्गीय हीराबा के नाम से प्रारंभ की गई है। इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य जरूरतमंद और गरीब परिवारों की बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक संबल प्रदान करना है। आज यह योजना सूरत की गरीब बच्चियों के लिए काफी मददगार और आशा की किरण साबित हो रही है। इस योजना के तहत धोरन 5 से 12 तक की छात्राओं को 7,500 रूपये की सहायता राशि दी जाती है। आज आयोजित कार्यक्रम में चौथे चरण के अंतर्गत 1100 बेटियों को सहायता के चेक वितरित किए गए। आयोजकों के अनुसार इस योजना के माध्यम से कुल 21,000 बेटियों को सहायता देने का लक्ष्य तय किया गया है। आने वाले दिनों में पहले सूरत शहर और बाद में पूरे गुजरात की बेटियों को इस योजना का लाभ देने की योजना है। इस अवसर पर यूथ फॉर गुजरात के जिग्नेश पाटील, विधायक मनुभाई पटेल, पूर्व महापौर, सांस्कृतिक समिति के चेयरमैन सहित सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर से इस योजना के लिए आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। यह योजना बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है।

वृद्धों, वंचितों और निराश्रितों का सशक्तिकरण योगी आदित्यनाथ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार वृद्धों और वंचितों की सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन को आसान बनाने से वृद्धों का वर्तमान सरकार पर भरोसा और बढ़ गया है। इस जनकल्याणकारी योजना को सफल बनाने के लिए संबंधित विभाग तेजी से काम कर रहा है। प्रदेश के बुजुर्ग इस योजना से काफी उत्साहित हैं। नई योजना के अनुसार अब 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को बिना आवेदन के ही पेंशन मिलेगी। समाज कल्याण विभाग द्वारा नई वृद्धावस्था पेंशन को जल्द ही क्रियान्वित कर दिया जाएगा। अगले बीस दिनों में सभी जिलों द्वारा एसओपी तैयार करके विभाग को भेज दिया जाएगा। समाज कल्याण विभाग ने राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना को अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बनाने के लिए भुगतान प्रक्रिया में अहम सुधार किए हैं। अब

पात्र वृद्धजनों की पहचान और सत्यापन फैमिली आईडी के माध्यम से स्वतः होगा। इससे समय कम लगेगा और पारदर्शिता बढ़ेगी। इस नई प्रणाली के तहत पेंशन सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में समयबद्ध तरीके से पहुंचेगी। सभी मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि वो फैमिली आईडी आधारित सत्यापन को गंभीरता से पूर्ण करें। नई योजना के अनुसार 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को अब पेंशन के लिए अलग से आवेदन नहीं करना पड़ेगा। फैमिली आईडी में दर्ज आयु और पारिवारिक विवरण के आधार पर पात्रता स्वतः निर्धारित होगी। इसके साथ ही जो नागरिक अगले 90 दिनों में 60 वर्ष की आयु पूरी करने वाले हैं, उनके नाम भी स्वतः शामिल हो जाएंगे। समाज कल्याण विभाग ये भी सुनिश्चित करेगा किसी भी वृद्ध का नाम छूटने न पाए। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि हम प्रदेश के सम्मानित बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए हम विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निराश्रित, वृद्धों और वंचितों के सशक्तिकरण का प्रयास कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार निराश्रित महिला, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं के तहत प्रदेश में कुल 1,06,17,640 लाभार्थियों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की पेंशन राशि प्रदान कर रही है। इससे जरूरतमंद वर्गों को नियमित आर्थिक संबल मिल रहा है और उनकी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में स्थायी सहायता सुनिश्चित हो रही है। रायबरेली के निवासी बुजुर्ग उमानाथ नई पेंशन योजना को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल से हमारे जैसे बुजुर्गों को बड़ा सहारा मिलने वाला है।

एक समय आएगा, जब कांग्रेस के लोग उस समय को कोसेंगे, जब राहुल गांधी पार्टी के नेता थे : शेखावत

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा कि जो कोई न समझता हो, उसको समझाया जा सकता है, लेकिन किसी ने नहीं समझने का तय किया हुआ हो, उसको समझाना बहुत मुश्किल है। दिल्ली में रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली पर शेखावत ने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी की रैली में जाने से पहले कांग्रेस के लोगों को लोकसभा में जब इस विषय पर चर्चा हुई थी, उस पर गृह मंत्री जी का भाषण एक बार पढ़ लेना चाहिए। अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि एक समय आएगा, जब कांग्रेस पार्टी के लोग उस समय को कोसेंगे, जब राहुल गांधी पार्टी के नेता थे। उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में इतना समय व्यर्थ करने के बाद, उन्होंने चर्चा मांगी और उस चर्चा में जबरदस्त पिटाई हुई और उन्हें छोड़ के भागना पड़ा। शेखावत ने राफेल विवाद का उदाहरण दिया, जहां राहुल गांधी ने 'पार्लियामेंट के फ्लोर पर राफेल की टोटल डील से ज्यादा का घोटाला बता दिया था' और सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद माफी मांगी थी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कभी न कभी उनके द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर किए जा रहे हमले के लिए कठोर फटकार लगाएगी। उसके बाद यह चैप्टर बंद हो जाएगा। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भविष्यवाणी की कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी।

काशी-तमिल संगमम साझा सभ्यता और नियति का उत्सवः डॉ. मजूमदार

एजेंसी

वाराणसी। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि उत्तर दिशा बाबा विश्वनाथ के चरणों में नमन करती है जो दक्षिण रामेश्वरम से उसी भक्ति-परंपरा को आगे बढ़ाता है। यह एक अविच्छिन्न आध्यात्मिक परिपथ है। काशी-तमिल संगमम इसी प्राचीन, निरंतर साझा सभ्यता और नियति का उत्सव है।

केन्द्रीय मंत्री नमोघाट पर आयोजित काशी-तमिल संगमम के चौथे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम् 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना का सजीव और अनुभवात्मक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि काशी की यह यात्रा सभी के लिए आनंददायक है और यह आयोजन चोल और पांड्य जैसी महान सभ्यताओं से आकार पाई भारत की जीवंत, बहुरंगी जीवन-परंपराओं का उत्सव है। केंद्रीय मंत्री मजूमदार ने काशी आए सभी तमिल प्रतिभागियों का स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि काशी-तमिल संगमम् का यह संस्करण भाषायी सेतुओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समर्पित है तथा इसकी थीम 'तमिल करकलाम (तमिल सीखें)' प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी की उस पहल का हिस्सा है, जो भारत की सभ्यता और आत्मा को जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि हमारी साझा थाली, मसालों की सुगंध, कांचीपुरम की रेशमी साड़ियां और बनारसी सिल्क, तथा दोनों क्षेत्रों के विद्वानों और शिल्प परंपराओं में प्रत्यक्ष दिखाई देती है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे यहां केवल दर्शक बनकर न रहें, बल्कि मित्रता करें, संस्कृति को आत्मसात करें, अनुभवों को साझा करें और लौटकर साझा सांस्कृतिक सेतु के दूत बनें। उन्होंने विद्यार्थियों से विशेष रूप से संवाद करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को भाषा की दीवारों को तोड़ना होगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप भारतीय शिक्षा प्रणाली की बहुभाषिक समृद्धि को अपनाना होगा। उन्होंने उत्तर भारत के विद्यार्थियों से तमिल सीखने और दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु के विद्यार्थियों से अपनी भाषा और संस्कृति को साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस मन में गंगा की कविता और कावेरी का दर्शन एक साथ समाहित हो जाए, वही वास्तव में शिक्षित भारतीय मन है। काशी तमिल संगमम दोनों संस्कृतियों की साझा धड़कन को स्वर देता है। कार्यक्रम में आईआईटी-बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि काशी तमिल संगमम् 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का जीवंत और अनुभूतिपरक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह आतंकी हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। इस हमले में यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। भारत की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव मना रहे यहूदी समुदाय की भीड़ पर दो बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई।

अच्छी शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य और त्वरित न्याय से ही 'विकास' संभव : सुधीर अग्रवाल

एजेंसी

भोपाल। उच्चतम न्यायालय के पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश सुधीर अग्रवाल ने कहा कि यदि हम वास्तव में देश और समाज के विकास की बात करते हैं, तो गरीब और सामान्य नागरिक को अच्छी शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं और त्वरित न्याय सुनिश्चित करना होगा। यही एक स्वस्थ और विकसित समाज की आधारशिला है। पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश अग्रवाल ने कहा कि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता के लिए एक ही सुप्रीम कोर्ट से समय पर न्याय मिलना व्यावहारिक नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि देश की चारों दिशाओं और प्रमुख राज्यों में उच्चतम न्यायालय की और बेंच स्थापित हों। वे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के 33वें स्थापना वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। समाज को दिशा देने वाली पत्रकारिता और साहित्य की संयुक्त भूमिका को रेखांकित करता मध्य प्रदेश प्रेस क्लब का 33वां स्थापना वर्ष समारोह गरिमामय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर आयोजित 'मप्र रत्न अलंकरण

समारोह-2025' न केवल प्रदेश की प्रतिभाओं के सम्मान का साक्षी बना, बल्कि सामाजिक सरोकारों, न्याय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल प्रश्नों पर गंभीर विमर्श का मंच भी बना। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि विवाद पर ऐतिहासिक निर्णय देने वाले में पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश अग्रवाल ने समारोह में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज संपन्न वर्ग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना और सरकारी अस्पतालों में इलाज कराना नहीं चाहता, क्योंकि वहां व्यवस्थाओं और सुविधाओं का अभाव है। यदि शासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य जिम्मेदार लोग स्वयं या अपने परिजनों को इन संस्थानों में भेजें, तो वास्तविक स्थिति से परिचित होंगे और व्यवस्था में सुधार की दिशा में ठोस पहल संभव होगी। उन्होंने कहा कि यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि जिम्मेदार लोग अपने बच्चों की शिक्षा और इलाज सरकारी संस्थानों में ही कराएं। पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश अग्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आज देश में आम आदमी न्याय के लिए भटक रहा है। देश की अदालतों में लगभग साढ़े पांच करोड़ मुकदमे लंबित हैं। संपन्न वर्ग के मामलों में अदालतें रातों-रात खुल जाती हैं और त्वरित सुनवाई हो जाती है, जबकि आम आदमी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने तक के लिए संघर्ष करता है। यह स्थिति समान न्याय की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जहां हर नागरिक को समान, सरल और शीघ्र न्याय मिल सके। तोमर मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने समारोह में कहा कि पत्रकारिता और साहित्य दोनों ही समाज की चेतना को दिशा देते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में लगभग हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में 'अवमूल्यन' दिखाई देता है।

पक्षी एवं जैव-विविधता सर्वेक्षण पूरा, 150 से अधिक पक्षी प्रजातियों का हुआ अभिलेखन

एजेंसी

नैनीताल। नयना देवी हिमालयन बर्ड संरक्षण आरक्षित क्षेत्र में गत 11 दिसंबर से शुरू हुए चार दिवसीय पक्षी एवं जैव-विविधता सर्वेक्षण का पूर्व हो गया। इस सर्वेक्षण में लगभग 150 से अधिक पक्षी प्रजातियों का अभिलेखन हुआ, जिनमें व्हाइट कॉलर ब्लैकबर्ड, माउंटेन हॉक ईगल, फायर ब्रेस्टेड फ्लावरपेक्कर और कोकलास तीतर आदि पक्षी हैं। इसके अलावा लेपर्ड कैट, हिमालयन सेरो, येलो थ्रोटेड मार्टन तथा बाघ आदि वन्य जीवों की उपस्थिति भी दर्ज की गयी। प्रभागीय वनाधिकारी और प्राणी उद्यान के निदेशक आकाश गंगवार के निर्देशन में नैनीताल वन प्रभाग और ओरियनटल ट्रेल के सहयोग से क्षेत्र की पक्षी प्रजातियों व अन्य वन्यजीवों का अभिलेखीकरण करने और प्रतिभागियों, वन विभाग और स्थानीय गाइडों के मध्य सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित इस सर्वेक्षण में लगभग 150 से अधिक पक्षी प्रजातियों का अभिलेखन हुआ, जिनमें व्हाइट कॉलर ब्लैकबर्ड, माउंटेन हॉक ईगल, फायर ब्रेस्टेड फ्लावरपेक्कर और कोकलास तीतर आदि पक्षी और लेपर्ड कैट, हिमालयन सेरो, येलो थ्रोटेड मार्टन तथा बाघ आदि वन्य जीवों की उपस्थिति दर्ज की गयी। जानकारी के अनुसार अमित शंकल्या और कृति महतो के नेतृत्व में आयोजित इस सर्वेक्षण में महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तराखंड सहित नौ राज्यों से आए 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने बॉटनिकल गार्डन, किलबरी, विनायक, कुंजाखड़क, भवाली, महेशखान, चाफी और मुक्तेश्वर क्षेत्रों में 40 ट्रेल्स पर सुबह और शाम दो चरणों में अवलोकन किए। सर्वेक्षण में नैनीताल वन प्रभाग के लगभग 40 वन कर्मियों और स्थानीय गाइडों की भी सक्रिय भूमिका रही। चार दिवसीय कार्यक्रम का समापन हिमालयन बोटैनिकल गार्डन नारायणनगर में हुआ, जहां प्रतिभागियों के साथ संवाद और फीडबैक सत्र आयोजित किया गया। समापन सत्र में वन क्षेत्राधिकारी आनन्द लाल ने सभी प्रतिभागी पक्षी पर्यवेक्षकों और ओरियनटल ट्रेल के संस्थापकों का आभार व्यक्त किया तथा प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए। अमित सांकल्य और कृति सांकल्य को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अरविंद कुमार, नितिन मुकेश, आनंद सिंह सहित बोटैनिकल गार्डन और प्राणी उद्यान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनी रावत ने किया।

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20द्व इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत ञ्20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4

पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

–टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैसमन को अवसर मिल सकता है। गुरुवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत ही उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट को गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है। .

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरुरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं। ' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान !, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर

खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद ।GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51–36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18–7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निकी पुनाचा की जोड़ी को 16–9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया ।पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16–9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निकी पुनाचा और जुम्हूर को 8–4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड : 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला ।भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है।पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए।अब इस प्रारुप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है।पंड्या इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं।उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारुप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की।अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंट की आगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है।इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे।वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है।साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है।इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है।गौरतलब है कि अबमक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिय हैं।इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 35 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है।वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं।वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैकग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे।इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है।ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा।अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज़्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो ।श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था।वह उस समय इसके अध्यक्ष थे।सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था।CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है।अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं।अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989–90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे।बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) ।युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है।यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है।क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है।बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है।नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है।जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी ।बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9 :00 से 10 :00 तक वजन एवं 11 :00 बजे से चयन ट्रायल किया गया।बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है।40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो मे रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में होली यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया।प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा।मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10 :00 बजे से 11 :00 तक वजन 12 :00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमे प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है।

बोल्ड लुक में नजर आए विद्युत

लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं। विद्युत का फर्स्ट लुक काफी आकर्षक लग रहा है। स्ट्रीट फाइटर 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किताओ सकुराई का है निर्देशन

कैपकॉम के वीडियो गेम से प्रेरित 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के निर्देशक किताओ सकुराई ने किया है। फिल्म में विद्युत जामवाल के अलावा नोआ सेंटिनियो केन मास्टर्स के रूप में, एंड्रयू कोजी रयू के रूप में, कैलिना लियांग चुन-ली के रूप में, रोमन रेन्स अकुमा के रूप में, डेविड डस्टमाल्चियन एम. बाइसन के रूप में, ङ्क्षङ्कश्च स्टार कोडी रोड्स गाइल के रूप में, एंड्रयू शुल्ज डैन हिबिकी के रूप में, एरिक आंद्रे डॉन सौवेज के रूप में, कर्टिस 50 सेंट जैक्सन बैलरोग के रूप में और जेसन मोमोआ ब्लैंका के रूप में शामिल हैं। फिल्म में ओरविल पेक वेगा के रूप में, ओलिवियर रिचटर्स जागिफ के रूप में, हिरूकी गोटो ई. होंडा के रूप में, रायना वैलैंडिंगम जूली के रूप में, अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की जो के रूप में, काइल मूनी मार्विन के रूप में और मेल जार्नसन कैमी के रूप में भी नजर आएंगे।

ऐसी है फिल्म की कहानी

1993 में आधारित यह फिल्म आगामी विश्व योद्धा टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके लिए स्ट्रीट फाइटर्स रयू और केन मास्टर्स को रहस्यमयी चुन-ली द्वारा भर्ती किया जाता है। यह लड़ाई इन लड़ाकों को उनके अतीत के बुरे अनुभवों से भी लड़ने के लिए मजबूर करती है।

राधिका आप्टे ने फिल्म साली मोहब्बत से जुड़े अनुभव पर चर्चा की

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राधिका आप्टे, दिव्येन्दु शर्मा और अनुराग कश्यप की फिल्म साली मोहब्बत आई है जो कि थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है। हसीन दिलरुबा के बाद बहुत समय के बाद एक ऐसी फिल्म आई है जिसमें प्यार, धोखा, नफरत और मरने-मारने की जिद नजर आती है। बातचीत में राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव पर चर्चा की। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश..

टिस्का ने हमें पूरी आजादी दी

फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।'

ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया

वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था।'

कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है, सीखने के तौर पर मैंने किस-किस को प्यार करूं-2 की

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म किस-किस को प्यार करूं-2 शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने आश्रम में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए।
हालांकि सीरीज आश्रम के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं।
फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी।
फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। किस-किस को प्यार करूं-2 मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खास बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।
निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

चाहता था कि लोग मुझे डांसर नहीं, एक्टर समझें

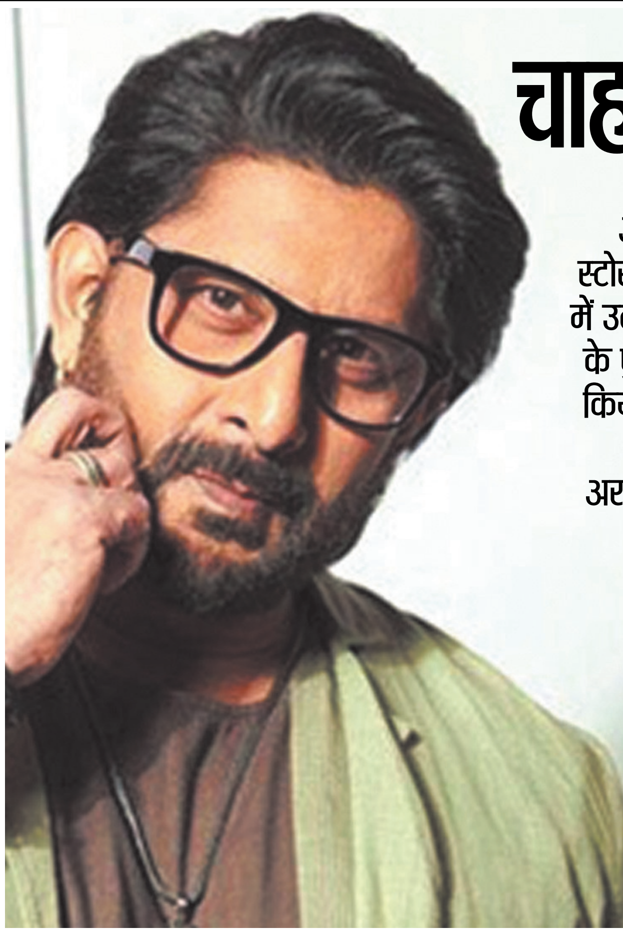

अरशद वारसी ने बॉलिवुड की सेफ स्टोरीज, ओटीटी की आजादी, किरदार में उतरने के अपने तरीके और थिएटर के पुराने दिनों को ऐसे अंदाज में याद किया कि हर बात में उनका अनुभव, ह्यूमर और साफगोई चमक उठी। अरशद कहने से नहीं चूकते कि फेल होने से मत डरिए, मजा तो उसी सफर में है।

अपनी शक्ल भूलकर बस किरदार में घुसना है

अरशद वारसी ने कहा, मैंने जब सर्किट का रोल किया था, तब भी बहुत लोग टपोरी टाइप के किरदार कर चुके थे। इस वजह से हमेशा सोचना पड़ता है कि ऑडियंस को नया क्या दे सकते हैं। मेरे लिए यह जरूरी हो जाता है कि अपने काम में ताजगी और ईमानदारी लाऊं। फिल्म भागवत में भी मैंने एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई है और इसमें मेरी ईमानदारी साफ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है, जब आप दिल से काम करते हो तो वो खुद-ब-खुद अलग नजर आता है। अगर सिर्फ ऊपर-ऊपर से करोगे तो हर किसी का काम एक जैसा लगेगा। यहां आपको अपनी शक्ल, आदतें भूलकर बस किरदार में उतरना है। किरदार पर फोकस रखो, फिर लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ ध्यान देंगे।

मराठी-साउथ की फिल्में बहुत आगे निकल चुकीं

मुझे नहीं लगता कि बॉलिवुड रिस्की स्टोरीज को स्वीकार करने वाली स्थिति तक अभी पहुंचा है। मराठी और साउथ की फिल्में इस मामले में आगे निकल चुकी हैं। वो एक्सपेरिमेंट कर रहे और रिस्क भी बेहिचक ले रहे हैं। हिंदी सिनेमा अब भी बहुत सेफ कहानियों के साथ खेल रहा और कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। दरअसल, फिल्म बनाना एक अलग तरह का जोखिम है इसलिए कहानी चुनने में भी ज्यादा सावधानी बरती जाती है। यही वजह है कि मुझे ओटीटी एक कमाल का प्लैटफॉर्म लगता है। इसने इतने सारे टैलंटेड ऐक्टरों को मौके दिए हैं, जिन्हें पहले फिल्मों में जगह ही नहीं मिल पाती थी। फिल्मों में अक्सर एक खास लुक या बॉडी लैंग्वेज देखी जाती है, जो हर कलाकार में नहीं होती। ऐसे कलाकारों के लिए ओटीटी सच में एक ब्लेसिंग है, यहां कहानी भी खुलकर कही जाती है और कलाकार को भी खुलकर जगह मिलती है।

पूरी सच्चाई से सीन को खुद में उतार लो

मैं जब कोई इमोशनल सीन करता हूं तो न मैकेनिकल मैथड अपनाता हूं और न अपनी असल ज़िंदगी की यादों को इस्तेमाल करता हूं। मेरे लिए यह सब बकवास है। लोग पूछते हैं कि मेरा तरीका क्या है, असल में मेरा कोई मैथड ही नहीं होता। आपको बस उस पल की बात को इतनी इंटेंसिटी से भीतर लेना होता है कि वह सच लगने लगे। एक्टिंग यही है कि एक छोटी सी चीज पर इतना यकीन कर लो कि वह आपको और देखने वाले को भी सच महसूस होने लगे। जिस सीन में जो लिखा है, उसे पूरी रूह के साथ अपने अंदर उतार लो, इमोशन अपने-आप बाहर आ जाते हैं।

सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी

मैंने सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी। इंसान अगर सिर्फ सक्सेस देखे तो जिंदगी का मजा क्या है। जिंदगी में थोड़ी तकलीफ होनी चाहिए। मुझे फेल होने से जरा भी फर्क नहीं पड़ता है।

लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से

अरशद ने कहा, डांसिंग मेरा पैशन है। शुरुआत में जब आया था तो मैंने एक बात कही थी, जो लोगों को बहुत पसंद आई। मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे ऐसे देखें कि ये डांसर है, जो ऐक्टिंग करने की कोशिश कर रहा है। मैं चाहता था कि लोग यह समझें कि ये एक्टर है, जो डांस भी कर सकता है। मैं एक्टिंग के प्रोफेशन में आ रहा था ना कि डांसिंग के प्रोफेशन में जा रहा था। यह बहुत बड़ा फर्क है। मेरी पूरी मेहनत इसी बात पर रही कि लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

● मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
● गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने से उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।